दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 301 | जयपुर, मंगलवार, 10 अक्टूबर, 2023 | आश्विन, कृष्ण पक्ष- एकादशी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

भाजपा का मिशन फतह राजस्थान: भाजपा ने जारी की प्रत्याशियों की पहली सूची, 41 में से 39 सीटों पर हार चुकी है पार्टी

41 प्रत्याशी घोषित... एमपी वाला फॉर्मूला लागू, सात सांसद उतारे

■ विद्याधर नगर से पूर्व मंत्री राजवी पर दीया कुमारी को अहमियत ■ झोटवाड़ा से सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन पर दांव

बेधड़क | जयपुर

भाजपा ने सीईसी की बैठक के बाद प्रदेश में 41 प्रत्याशियों की पहली सूची सोमवार को जारी कर दी। इसमें एमपी के फॉर्मूले को लागू करते हुए 7 सांसदों झोटवाड़ा से राज्यवर्धन सिंह, विद्याधर नगर से दीया कुमारी, सवाई माधोपुर से किरोड़ी लाल मीणा, मंडावा से नरेंद्र कुमार, तिजारा से बाबा बालक नाथ, सांचौर से देवजी पटेल और किशनगढ़ से भागीरथ चौधरी को मैदान में उतारा है।

दीया कुमारी, विद्याधर नगर

किरोड़ी लाल मीणा सवाईमाधोपुर

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ झोटवाड़ा

बालक नाथ तिजारा

भाजपा की सूची में शामिल प्रत्याशी

भाजपा ने श्रीगंगानगर से जयदीप, भादरा से संजीव बेनीवाल, डूंगरपुर से ताराचंद सारस्वत, सुजानगढ़ से संतोष मेघवाल, झुंझुनूं से बबलू चौधरी, नवलगढ़ से विक्रम सिंह जाखल, उदयपुरवाटी से शुभकरण, फतेहपुर से श्रवण चौधरी, लक्ष्मणगढ़ से सुभाष महरिया, दांतारामगढ़ से गजानंद कुमावत, कोटपूतली से हंसराज पटेल गुर्जर, दूदू से प्रेमचंद बैरवा और बस्सी से पूर्व आईएएसस चंद्रमोहन मीणा को प्रत्याशी हैं। बानसूर से देवी सिंह शेखावत, अलवर ग्रामीण से जयराम जाटव, नगर से जवाहर सिंह बेडम, वैर से बहादुर सिंह, हिंडौन से राजकुमारी जाटव, सपोटरा से हंसराज मीणा, बांदीकुई से भागचंद डाकरा, लालसोट से रामविलास मीणा तथा बामनवास से राजेंद्र मीणा को उम्मीदवार बनाया है। साथ ही, देवली उनियारा से विजय बैंसला, केकड़ी से शत्रुघ्न गौतम, बिलाड़ा से अर्जुन लाल गर्ग, बायतू से बलराम मूंढ, खेरवाड़ा से नाना लाल आहरी, डूंगरपुर से बंसीलाल कटरा, सागवाड़ा से शंकर लाल डेचा, चौरासी से सुशील कटारा, बागीदौरा से कृष्ण कटारा, कुशलगढ़ से भीमा भाई डामोर, मांडल से उदयलाल भड़ाना, सहाड़ा से लादूराम पितलिया को टिकट दिया गया है।

41 में से सिर्फ 2 जीती थी

भाजपा ने जिन 41 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं उनमें से 39 सीटों पर गत 2018 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को हारी थी। अन्य दो सीटों विद्याधर नगर से नरपत सिंह राजवी और मंडावा से नरेन्द्र कुमार जीते थे। वहीं, 11 ऐसी विधानसभा सीटें शामिल हैं, जिन पर भाजपा हार की हैट्रिक बना चुकी है।

मुखर होने लगा विरोध

टिकट वितरण के बाद झोटवाड़ा से टिकटार्थी आशु सिंह ने कहा कि जो 9 साल में एक बार भी झोटवाड़ा नहीं आया, उसे टिकट दे दिया। वहीं, विद्याधर नगर में दीया को बाहरी बताते हुए विरोध होने लगा है। पूर्व मंत्री राजपाल शेखावत ने भी राजे से मुलाकात कर अपना विरोध दर्ज कराया है। कमोबेश ऐसे ही कई सीटों पर विरोधी स्वर मुखर होने लगे हैं।

कौन सा सांसद कहां से लड़ेगा

सांसद देवजी पटेल को सांचौर से प्रत्याशी बनाया है। साल 2018 में यहां से दानाराम चौधरी को टिकट मिला था जो हार गए थे। किशनगढ़ से सांसद भागीरथ चौधरी को प्रत्याशी बनाया गया है। यहां 2018 में विकास चौधरी हार गए थे। सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को झोटावाड़ा से टिकट मिला है। जहां से 2018 में राजपाल सिंह शेखावत हार गए थे। वहीं, सांसद दीया कुमारी को विद्याधर नगर से चुनाव लड़ाया जा रहा है जहां से पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत के दामाद नरपत सिंह राजवी लगातार दो चुनाव जीत चुके हैं। अलवर के सांसद बाबा बालकनाथ को तिजारा विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। 2018 में यहां से संदीप दायमा हार गए थे। इसी तरह, राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को सवाई माधोपुर सीट से टिकट दिया है। जहां से 2018 में आशा मीणा हारी थीं। मंडावा से सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ को प्रत्याशी बनाया है। जो 2013 में बतौर निर्दलीय जीते थे। फिर, बीजेपी में चले गए थे। बाद में 2019 के उपचुनाव ने कांग्रेस ने यह सीट जीती थी।

जरूरी खबर

कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची 15 तक संभव

जयपुर। माना जा रहा है कि 15 अक्टूबर तक कांग्रेस अपने 50 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर देगी। बताया जा रहा है कि यह ए ग्रेड की सूची होगी। इसमें अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा जैसे नाम शामिल होंगे। ऐसी सीटें, जहां पर कोई विवाद नहीं हैं, उनके उम्मीदवारों के नाम इस पहली सूची में होंगे। इसके लिए पहले पीईसी, फिर स्क्रीनिंग कमेटी और सीईसी की बैठक में नाम तय होंगे। इसके बाद एआईसीसी अधिकारिक सूची जारी करेगी।

न्यूजीलैंड की वर्ल्ड कप में दूसरी धमाकेदार जीत

हैदराबाद। न्यूजीलैंड ने वर्ल्ड कप लगातार दूसरी जीत हासिल की। उसने सोमवार को नीदरलैंड के खिलाफ 99 रन से धमाकेदार जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड ने अपने मैच में डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड को 9 विकेट से धूल चटाई थी। न्यूजीलैंड ने नीदरलैंड के विरुद्ध निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 322 रन जुटाए। जवाब में नीदरलैंड की टीम 46.3 ओवर में 223 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड के लिए मिशेल सैंटनर ने पंजा खोला। उन्होंने 10 ओवर में 59 रन देकर 5 विकेट लिए। वर्ल्ड कप में 5 विकेट लेने वाले पहले कीवी स्पिनर हैं।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव 2023 भारत निर्वाचन आयोग ने घोषित किया कार्यक्रम

राजस्थान में 23 नवंबर को मतदान 3 दिसंबर को पांचों राज्यों के नतीजे

राजस्थान में फर्स्ट टाइम वोटर्स 22 लाख 06 हजार

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। भारत के मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजीव कुमार द्वारा सोमवार को घोषित कार्यक्रम के अनुसार मध्य प्रदेश में 17 नवंबर, राजस्थान में 23 नवंबर, छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवंबर, तेलंगाना में 30 नवंबर और मिजोरम में 7 नवंबर को चुनाव होने जा रहे हैं। आयोग ने बताया कि मतगणना 3 दिसंबर को होगी। फिलहाल, हिंदी पट्टी के तीनों राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला नजर आ रहा है। एमपी, राजस्थान, मिजोरम और तेलंगाना में एक चरण में चुनाव होने वाले हैं। जबकि, छत्तीसगढ़ में चुनाव दो चरणों में पूरे होंगे।

सभी राज्यों में मौजूदा सरकारों का कार्यकाल दिसंबर 2023 से जनवरी 2024 के बीच खत्म हो रहा है। एमपी में 230 सीटों पर चुनाव होंगे। जबकि, राजस्थान में 200, तेलंगाना में 119, छत्तीसगढ़ में 90 और मिजोरम में 40 सीटों पर चुनाव होंगे।

राजस्थान की सभी 200 विधानसभा सीटों के लिए 23 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गनिती तीन दिसंबर को होगी। निर्वाचन विभाग के चार अक्टूबर को जारी आंकड़ों के अनुसार मतदाता सूचियों के अन्तिम प्रकाशन तक राज्य में कुल 5 करोड़ 26 लाख 80,545 मतदाता हैं। इनमें से 2 करोड़ 73 लाख 58 हजार 627 पुरुष एवं 2 करोड़ 51 लाख 79 हजार 422 महिला मतदाता शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में दो चरण में वोटिंग, बाकी चार राज्यों में एक चरण में

मतदान कार्यक्रम राजस्थान (सभी 200 सीटें)

● राजपत्र अधिसूचना जारी होने की तिथि	30 अक्टूबर (सोमवार)
● नामांकन करने की अंतिम तिथि	6 नवंबर (सोमवार)
● नामांकन की जांच की तिथि	7 नवंबर (मंगलवार)
● उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि	9 नवंबर (गुरुवार)
● मतदान की तिथि (वोटिंग)	23 नवंबर (गुरुवार)
● गिनती की तारीख (मतगणना)	3 दिसंबर (रविवार)
● चुनाव प्रक्रिया समाप्त	5 दिसंबर (मंगलवार)

कुल 679 सीटों पर भाग्य आजमाएंगे प्रत्याशी

सभी राज्यों को मिलाकर कुल विधानसभा सीटों की संख्या 679 है। उन्होंने बताया कि पांचों राज्यों में 1.77 लाख पोलिंग स्टेशन होंगे। सीईसी का कहना है कि 17 अक्टूबर को वोटर लिस्ट प्रकाशित की जाएगी। बुजुर्ग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा मिलेगी। हालांकि, इसके लिए उन्हें एक फॉर्म भरना होगा।

इन कामों पर नहीं पड़ेगा आचार संहिता का असर

- जो सरकारी योजनाएं शुरू हो चुकी हैं, उनका लाभ मिलता रहेगा।
- सरकार कोई तबादला नहीं कर पाएगी, लेकिन चुनाव आयोग अफसरों के ट्रांसफर कर सकेगा।
- मुख्यमंत्री और मंत्री रुटीन काम ही कर सकेंगे।
- सरकारी दफ्तर में जनता से जुड़े सामान्य काम पहले जैसे ही होंगे।
- इमरजेंसी हालात में चुनाव आयोग की मंजूरी से बड़े फैसले हो सकेंगे।

राजस्थान (कुल सीटें- 200)

पार्टी	2013	2018
भाजपा	163	73
कांग्रेस	21	100
बसपा	3	6
आरएलडी	0	1
अन्य	13	20

60.2 लाख नए मतदाता

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने जानकारी दी है कि इन पांच राज्यों में कुल 16.14 करोड़ वोटर्स हैं। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 8.2 करोड़ और महिला वोटर 7.8 करोड़ हैं। इस बार 60.2 लाख नए वोटर्स पहली बार वोट डालेंगे। इनकी उम्र 18 से 19 साल के बीच है। 15.39 लाख वोटर ऐसे हैं, जो 18 साल पूरे करने जा रहे हैं और जिनकी अग्रिम अर्जी प्राप्त हो चुकी है।

'रिवाज बदलेगा या राज' दावे अपने-अपने

राजस्थान में एक चरण में ही 23 नवंबर को मतदान होने जा रहा है। यहां फिलहाल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कप्तानी वाली कांग्रेस सरकार है। खास बात है कि राजस्थान में हर कार्यकाल में सरकार बदलने का रिवाज रहा है। ऐसे में भाजपा को राज्य में जीत की उम्मीदें बढ़ गई हैं। एक ओर जहां कांग्रेस अब तक गहलोत के नाम के साथ ही आगे बढ़ती नजर आ रही है। कांग्रेस का मानना है कि मुख्यमंत्री गहलोत की जनकल्याणकारी योजनाओं खासकर पुरानी पेंशन, चिरंजीवी हेल्थ बीमा, मुफ्त बिजली आदि के बूते पर इस बार यह रिवाज बदलने जा रहा है। कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का चेहरा है तो भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर ही चुनाव में उतरी है।

प्रदेश में 51% युवा वोटर

राजस्थान के लगभग 5 करोड़ 27 लाख मतदाताओं में से 51 प्रतिशत वोटर युवा हैं। इनकी उम्र 18 से 39 साल है। इसमें पहली बार वोट डालने वाले 22 लाख 6 हजार मतदाता हैं। इसके साथ ही ढाई करोड़ से ज्यादा महिला मतदाता भी चुनाव के रिजल्ट पर असर डालेंगी। जेंडर आधार पर देखें तो राजस्थान में 51.93% पुरुष मतदाता हैं और 47.79% महिला मतदाता हैं।

जिस दिन वोटिंग, उस दिन अबूझ मुहूर्त... पड़ेगा असर!

जिस दिन राजस्थान में वोटिंग है, उस दिन देवउठनी एकादशी का सबसे बड़ा अबूझ सावा है। माना जा रहा है कि इससे वोटिंग प्रतिशत पर असर पड़ेगा, क्योंकि इस दिन राजस्थान में लगभग 1 लाख शादियां होंगी। इस दिन बड़े पैमाने पर लोग दूसरे गांव में बारातों में और भात भरने दूसरे गांवों-शहरों में जाते हैं। इसी तरह हलवाई, बैंड बाजे वाले कैटरिंग वाले और व्यापारी और पुजारी शादी के काम से जुड़ा कारोबार करने वाले सभी लोग व्यस्त रहते हैं।

ईडी का पेपर लीक मामले में एक्शन

आरोपी भूपेंद्र सारण को किया गिरफ्तार होगी गहन पूछताछ

■ कोर्ट ने सौंपा तीन दिन रिमांड पर

बेधड़क | जयपुर

पेपर लीक के आरोपी भूपेंद्र सारण को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार करने के बाद ईडी ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने तीन दिन रिमांड पर सारण को ईडी को सौंप दिया। ईडी के अधिकारी सारण से पेपर लीक के संबंध में पूछताछ करेंगे और पैसों के लेन देन को लेकर जानकारी लेंगे।

वहीं, पेपर लीक मामले में भूपेंद्र सारण और आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा की भूमिका और संबंध की जांच करेंगे। गौरतलब है कि 24 दिसंबर को आरपीएससी के सेकंड ग्रेड शिक्षक भर्ती के जीके के पेपर लीक मामले में सारण को गिरफ्तार किया गया था। सारण साल 2011 की जीएनएम भर्ती और 2022 में पुलिस कांस्टेबल भर्ती पेपर लीक मामले में भी शामिल था।

इजराइली जंग से निवेशकों में हड़कंप

800 के नीचे आया अडाणी का शेयर

एजेंसी | नई दिल्ली

अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयरों में सोमवार को 4% से अधिक की गिरावट आई। कंपनी के शेयर इंट्रा डे ट्रेड में शुक्रवार के शेयर प्राइस 830.55 रुपए के मुकाबले 4.5% टूटकर 792.95 रुपए पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस गिरावट के पीछे पश्चिम एशिया में बढ़ रहा तनाव है। दरअसल, इजराइल और हमास के बीच जंग शुरू हो गया है। इस बीच, भारत भी एक्शन मोड में है।

बता दें कि हाल ही में गौतम अडाणी समूह ने इजराइल के हाइफा पोर्ट का अधिग्रहण किया है। एपीएसईजेड और इजराइल के गादोत समूह ने इजराइल में हाइफा बंदरगाह के 1.18 अरब डॉलर में निजीकरण के लिए पिछले वर्ष जुलाई में बोली जीती थी। इसमें भारतीय भागीदार अडाणी की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत और गादोत समूह का हिस्सा 30 फीसदी है। बता दें कि हाइफा पोर्ट शिपिंग कंटेनर के मामले में इजराइल का दूसरा सबसे बड़ा पोत और पर्यटक क्रूज शिप के मामले में सबसे बड़ा बंदरगाह है।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक

कांग्रेस शासित राज्यों में होगी जातिगत जनगणना, इसके बाद आर्थिक सर्वे

- प्रेस कॉन्फ्रेंस में की राजस्थान की हेल्थ स्कीम की प्रशंसा
- फिलिस्तीन को स्वशासन, आत्म सम्मान और जीवन के अधिकारों के लिए समर्थन
- 'इंडिया गठबंधन' की ज्यादातर पार्टियां जातीय जनगणना पर एकमत

एजेंसी | नई दिल्ली

बिहार में जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी होने के बाद इसका असर अन्य चुनावी राज्यों में भी नजर आ रहा है।

अगले साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने जातीय जनगणना के मुद्दे पर प्रमुखता से आगे बढ़ने का फैसला किया है। दिल्ली में सोमवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में जातीय जनगणना को लेकर सर्वसम्मति बनी। सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद राहुल गांधी ने पत्रकारों से कहा कि वर्किंग कमेटी ने जाति आधारित जनगणना का समर्थन करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, क्योंकि यह हिंदुस्तान के भविष्य के लिए जरूरी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बताया कि चार घंटे हमारी जातिगत जनगणना पर पर चर्चा हुई।

जहां-जहां कांग्रेस की सरकार है, वहां जातिगत जनगणना होगी। फिर, आर्थिक सर्वे कराएंगे।

मुख्यमंत्री गहलोत के कार्य की सराहना

राहुल ने कहा कि राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने हेल्थकेयर का जो स्ट्रक्चर बनाया है, जो गरीबों के लिए काम किया है, वह ऐतिहासिक है। कर्नाटक में हेल्थकेयर का काम किया है, छत्तीसगढ़ में भी स्मॉल यूनिट्स पर काम किया गया। हिमाचल में सुक्खू ने आपदा के दौरान जो काम किया, वो अद्भुत था।

फिलिस्तीन को समर्थन

इसके अलावा कांग्रेस कार्यसमिति में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रस्ताव पास हुआ. प्रस्ताव में लिखा है कि कांग्रेस कार्यसमिति फिलिस्तीन के लोगों के लिए जमीन, स्वशासन, आत्म सम्मान और जीवन के अधिकारों के लिए अपना समर्थन दोहराती है।

दो हिंदुस्तान बन रहे हैं, एक अडाणी वाला... दूसरा सबका

क्या 5 राज्य में कांग्रेस का लिटमस टेस्ट है? पूछने पर उन्होंने कहा, देश के भविष्य के लिए जाति जनगणना जरूरी है। हम वादा करते हैं तो तोड़ते नहीं हैं। जाति और धर्म की बात नहीं, गरीबी की है। आज दो हिंदुस्तान बन रहे हैं एक अडाणी वाला और दूसरा सबका। आर्थिक सर्वे से हमें ये भी पता चल जाएगा कि धन कहां है? शायद इसमें मेरी भी गलती है कि हमने ये पहले नहीं किया।

मोदी पर साधा निशाना

राहुल गांधी ने कहा कि जातीय जनगणना देश का एक्स-रे है। उन्होंने मोदी पर हमला बोलते हुए कहा, पीएम बताएं कि उन्होंने ओबीसी के लिए क्या किया है। हमारे 4 में से 3 सीएम ओबीसी हैं। क्या पीएम मोदी चाहते हैं कि ओबीसी की भागीदारी न हो। वे मुद्दों को भटकाते का काम करते हैं।

ये रहे बैठक में मौजूद

बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू तथा पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल थे।

जरूरी खबर

बसपा ने पांच उम्मीदवारों के नाम किए घोषित

जयपुर। राजस्थान में चुनावी तारीख का ऐलान होने के बाद भाजपा ने अपनी पहली उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इसके बाद विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर बसपा ने सोमवार को 5 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने बताया कि विधानसभा डीग कुम्हेर से हरिओम शर्मा, बयाना रुपवास से मदन मोहन भंडारी, तिजारा से इमरान खान, बानसूर से मुकेश यादव और दौसा से रामेश्वर बनियाना को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी की ओर से जल्द ही बाकी उम्मीदवारों की घोषणा भी की जाएगी। इसके लिए पार्टी की ओर से जिताउ कैंडिडेट पर मंथन जारी है।

आरपीएससी में 3 और एसएससी में 2 मेंबर नियुक्त

जयपुर। प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता लगने से ठीक कुछ घंटे पहले ही सरकार ने राजस्थान लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन आयोग में सदस्यों की नियुक्तियां की है। सरकार ने प्रो. अयूब खान, कैलाश चंद मीना और कर्नल केसरी सिंह को आरपीएससी मेंबर नियुक्त किया है। वहीं डॉ. सज्जन पोसवाल और डॉ. रिपूंजया सिंह को कर्मचारी चयन आयोग में मेंबर बनाया है। कार्मिक विभाग ने इन नियुक्तियों के आदेश जारी कर दिए हैं।

निर्वाचन क्षेत्रों में 3 से 5 नवम्बर तक रहेगा सूखा दिवस

जयपुर। प्रदेश के 9 जिलों के नगरीय निकायों में 9 सदस्यों के लिए और पंचायतीराज संस्थाओं के उपचुनाव के लिए आगामी 5 नवम्बर को होने वाले मतदान के मद्देनजर सूखा दिवस की घोषणा की गई है। प्रशासन की ओर से तीन नवम्बर को शाम 5 बजे से 5 नवम्बर को शाम 5 बजे तक सूखा दिवस घोषित किया है। वित्त (आबकारी) विभाग द्वारा जारी निर्देशानुसार संबंधित नगरीय निकाय और पंचायतीराज संस्थाओं के निर्वाचन क्षेत्रों एवं उससे लगते हुए 5 किलोमीटर परिधीय क्षेत्रों में 48 घंटे की अवधि के लिए सूखा दिवस रहेगा।

BJP की 41 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी, 29 सीटों पर बदले टिकट

भाजपा ने हारी हुई सीटों पर उतारे उम्मीदवार

■ जयपुर शहर की दो और जयपुर ग्रामीण से एक सीट पर उतारा कैंडिडेट

■ पहली सूची में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा खेमे के दावेदारों को नहीं मिली जगह

■ चार महिलाओं को और सात सांसदों को मिला टिकट

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 200 सीटों में से भाजपा ने 41 सीटों पर प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में 29 सीट ऐसी हैं जहां पर 2018 में जिन्हें टिकट दिया गया था, उन्हें फिर से मैदान में नहीं उतार कर नए चेहरों को मौका दिया गया है। गत चुनावों में 39 विधानसभा सीटों पर हार का सामना कर चुकी बीजेपी ने इन्हीं सीटों पर सबसे पहले प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं।

जिससे इन सीटों पर प्रत्याशियों को तैयारी का अधिक मौका मिल सके। 41 में से जयपुर संभाग में सबसे ज्यादा 17 सीट पर नाम घोषित किए गए हैं। इसमें जयपुर शहर की दो सीट विधाधर नगर और झोटवाड़ा हैं और जयपुर ग्रामीण से एक सीट बस्सी की है। पहली सूची में चार महिलाओं और 7 सांसदों को जगह मिली है। वहीं इस सूची में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के खेमे के से जुड़े नामों को जगह नहीं मिल पाई है। वहीं बस्सी से एक रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारी को मैदान में उतारा गया है।

जयपुर संभाग में 17 सीट पर उतारे प्रत्याशी

झुंझुनूं की सात में से चार सीटों पर उम्मीदवार घोषित

भाजपा ने मंडावा में मौजूदा सांसद नरेंद्र कुमार को मैदान में उतारा है। वहीं झुंझुनूं सीट से बबलू चौधरी को टिकट दिया गया है। उदयपुरवाटी से शुभकरण सिंह चौधरी को फिर से मौका दिया गया है। नवलगढ़ से विक्रम जाखल को टिकट दिया गया है। नरेंद्र कुमार ने 2018 के विधानसभा चुनाव में रीटा चौधरी को चुनाव हराकर दूसरी बार विधायक बने थे। इसके बाद 2019 में एमपी के चुनाव में नरेंद्र कुमार को भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया और नरेन्द्र कुमार झुंझुनूं के एमपी बन गए थे। इसके बाद मण्डावा के उप चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस की प्रधान सुशीला सीगड़ा को भाजपा में शामिल कर टिकट दिया था। उप चुनाव में कांग्रेस की रीटा चौधरी ने भाजपा की सुशीला सीगड़ा को चुनाव हराकर विधायक बनी थीं। 2018 चुनाव में झुंझुनूं सीट से बबलू चौधरी ने निर्दलीय चुनाव लड़ा था। विक्रम सिंह जाखल ने भी नवलगढ़ से निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ चुके हैं।

गुर्जर वोटों के लिए विजय बैंसला मैदान में

कांगेस में चल रही खींचतान और सचिन पायलट की नाराजगी का फायदा उठाने के लिए भाजपा ने गुर्जर कार्ड खेला हैं, इसमें गुर्जर आंदोलन के संयोजक रहे स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैंसला को भाजपा ने देवली-उनियारा (टोंक) से टिकट दिया है।

संतोष मेघवाल पर जताया भरोसा

सुजानगढ़ से बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल को टिकट दिया गया है। संतोष मेघवाल ने 2018 में कांग्रेस में रहते हुए पार्टी के मास्टर भंवरलाल और भाजपा के पूर्व मंत्री खेमाराम के खिलाफ निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में संतोष मेघवाल ने 38 हजार 603 वोट लेकर अपनी छाप छोड़ी थी। 40 वर्षीय संतोष एमए, बीएड है। संतोष 2015 में बीदासर पंचायत समिति की प्रधान बनी। 2019 में संतोष बीजेपी में शामिल हो गई। 2020 में मेघवाल दूसरी बार बीदासर पंचायत समिति से प्रधान बनी।

राजेन्द्र गुढ़ा की वर्तमान सीट पर शुभकरण चौधरी

उदयपुरवाटी विधानसभा सीट राजेन्द्र सिंह गुढ़ा की वर्तमान सीट पर शुभकरण चौधरी को मैदान में उतारा है। शुभकरण 2013 में विधायक रह चुके हैं। 2018 में बसपा की टिकट पर जीत कर चुनाव लड़े और विधायक बनें। इसके बाद इन्होंनें कांग्रेस को समर्थन दिया और इस सरकार में मंत्री तक रहे। लेकिन लाल डायरी प्रकरण में कांग्रेस ने इन्हें मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद गुढ़ा के शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हो गए हैं। यहां से माना जा रहा था कि भाजपा मैदान में उम्मीदवार नहीं उतारेगी लेकिन शुभकरण को मैदान में उतार दिया हैं। हालांकि गुढ़ा कहां से चुनाव लड़ेंगे इसकी घोषणा होनी बाकी हैं।

डोटासरा के सामने महरिया

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के सामने भाजपा ने सीकर के पूर्व सांसद सुभाष महरिया को उम्मीदवार बनाया है। महरिया भाजपा से कांग्रेस में चले गए थे। हाल ही में वापस भाजपा में लौटे हैं। वापस भाजपा में आते ही इन्हें डोटासरा को टक्कर देने के लिए उतारा गया है।

जवाहर सिंह बेडम को वैर से टिकट

भाजपा ने भरतपुर के नगर और वैर विधानसभा की सीट पर नगर विधानसभा से जवाहर सिंह बेडम का नाम फाइनल किया गया है। वैर विधानसभा से बहादुर सिंह कोली का नाम फाइनल किया हैं। जवाहर सिंह बेडम पार्टी प्रदेश कार्य समिति के सदस्य रह चुके हैं। वे उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी भी रह चुके हैं। 2018 में भी जवाहर सिंह बेडम भाजपा से लड़ चुके हैं। 2018 में मंत्री जाहिदा खान ने जवाहर सिंह बेडम को 40 हजार वोटों से हराया था। वैर के प्रत्याशी बहादुर सिंह कोली भरतपुर से सांसद और विधायक रह चुके हैं।

सीकर की तीन विधानसभा सीटों पर नामों का ऐलान

सीकर में लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर और दांतारामगढ़ विधानसभा सीट से उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। पार्टी ने लक्ष्मणगढ़ से पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, फतेहपुर से श्रवण चौधरी, दांतारामगढ़ से गजानंद कुमावत को उम्मीदवार घोषित किया है। थोड़े दिन पहले ही भाजपा के प्रदेश कार्यालय में श्रवण चौधरी ने पार्टी को ज्वॉइन किया था। यहां तीनों ही प्रत्याशी बदले गए हैं।

जानें 41 सीटों पर भाजपा का गणित...

विधानसभा सीट	2023	2018
1.श्रीगंगानगर	जयदीप बिहाणी	विनीता आहूजा
2. भादरा	संजीव बेनीवाल	संजीव बेनीवाल
3.श्री डूंगरगढ़	ताराचंद सारस्वत	ताराचंद सारस्वत
4. सुजानगढ़	संतोष मेघवाल	खेमराम
5.झुंझुनूं	बबूल चौधरी	राजेन्द्र भाम्बू
6.मंडावा	नरेन्द्र कुमार	नरेन्द्र खीचड़
7.नवलगढ़	विक्रम सिंह जाखल	रवि सैनी
8.उदयपुर वाटी	शुभकरण चौधरी	शुभकरण चौधरी
9.फतेहपुर	श्रवण चौधरी	सुनीता कुमारी
10.लक्ष्मणगढ़	सुभाष महरिया	दिनेश जोशी
11. दांतारामगढ़	गजानंद कुमावत	हरीश कुमावत
12. कोटपूतली	हंसराज पटेल	मुकेश गोयल
13.दूदू	प्रेमचंद बैरवा	प्रेमचंद बैरवा
14.झोटवाड़ा	राज्यवर्द्धन सिंह	राजपाल सिंह
15.विधाधर नगर	दीया कुमारी	नरपत सिंह
16. बस्सी	चंद्रमोहन मीणा	कन्हैयालाल
17.तिजारा	बालकनाथ	संदीप दायमा
18. बानसूर	देवीसिं	महेन्द्र कुमार यादव
19. अलवर ग्रामीण	जयराम जाटव	मा.रामकिशन
20. नगर	जवाहर सिंह	अनिता सिंह
21. वैर	बहादूर सिंह कोली	रामस्वरूप कोली
22.हिंडौन	राजकुमारी जाटव	मंजू खैरवाल
23. सपोटरा	हंसराज मीणा	गोलमा देवी
24. बांदीकुई	भागचंद	रामकिशोर सैनी
25.लालसोट	रामविलास मीणा	रामविलास मीणा
26.बामनवास	राजेन्द्र मीणा	राजेन्द्र मीणा
27. स.माधोपुर	डॉ.किरोड़ी मीणा	आशा मीणा
28.देवली	विजय बैंसला	राजेन्द्र गुर्जर
29.किशनगढ़	भागीरथ चौधरी	विकास चौधरी
30. केकड़ी	शत्रुध्र गौतम	राजेन्द्र विनायका
31. बिलाड़ा	अर्जुनलाल गर्ग	अर्जुनलाल गर्ग
32.बायतु	बालाराम मुंड	कैलाश चौधरी
33.सांचौर	देवजी पटेल	दानाराम चौधरी
34. खैरवाड़ा	नानालाल अहारी	नानालाल अहारी
35.डूंगरपुर	बंशीलाल कटारा	माधव लाल
36. सागवाड़ा	शंकर डेचा	शंकर डेचा
37.चोरासी	सुशील कटारा	सुशील कटारा
38.बागीदौरा	कृष्णा कटारा	खेमाराम गरासिया
39.कुशलगढ़	भीमाभाई डामोर	भीमाभाई डामोर
40.मांडल	उदयलाल भडाना	कालूलाल गुर्जर
41.सहाड़ा	लादूलाल पितलिया	रूपलाल जाट

सरकार बनाने के लिए 2018 जैसी मेहनत 2023 में भी करनी है

सीएम ने कार्यकताओं को भेजा ऑडियो

■ कार्यकर्ताओं से चुनाव में एकजुट रहने का आह्वान

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही प्रदेश के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के फोन पर एक ऑडियो संदेश भेजा जा गया है। जिसे सीएम अशोक गहलोत की आवाज में रिकॉर्ड किया गया है।

इस संदेश में मुख्यमंत्री गहलोत कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत से ही 2018 में राजस्थान

में कांग्रेस की सरकार बनी। अब इसे 2023 में भी दोहराना है। सीएम ने ऑडियो संदेश में कहा नमस्कार, मैं अशोक गहलोत हूं। आप कांग्रेस परिवार के एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं।

जैसा कि आप जानते हैं कि राजस्थान में विधानसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। यह कार्यकर्ताओं की दिन-रात की अथक मेहनत का ही परिणाम है कि 2018 में राजस्थान में सरकार बन सकी। कार्यकर्ताओं के द्वारा ऐतिहासिक जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के कारण ही कांग्रेस सरकार दोबारा इसे दोहरा सकती हैं। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

अगले दो महीनों तक हमें सभी आपसी मतभेद भुलाकर केवल पार्टी हित में काम करना होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विचारों को मजबूत करने और कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए फिर से एकजुट होकर बड़ा संकल्प लेना होगा। मेरा निवेदन है कि इस बार चुनौती बहुत बड़ी है। देश के सामने भी और पार्टी के सामने भी।

ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम राजस्थान में कैसे सफल हो सकें, जिससे देश में एक संदेश जाए और हम आने वाले समय में सभी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सकें। काम किया दिल से, कांग्रेस फिर से। दरअसल सीएम का यह संदेश ऐसे समय आया है कि जब पार्टी कभी भी प्रत्याशी घोषित कर सकती है। ऐसे में टिकट नहीं मिलने पर कोई कार्यकता नाराज नहीं हो जाएं, इसलिए सीएम खुद कार्यकर्ताओं तक अपनी बात पहुंचाना चाह रहे है।

भाजपा चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी की बैठक

अपराधियों को संरक्षण देने वाली सरकार को उखाड़ फेंकेगी जनता

बेधड़क | जयपुर

भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को भरतपुर में चुनाव संबंधी तैयारियों की बैठक ली।

बैठक में भाजपा जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जोशी ने राजस्थान सरकार के खिलाफ खुलकर हमला बोला। उन्होंने प्रदेश में बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार पर कहा कि पूरे देश में राजस्थान क्राइम में अव्वल है और यही गहलोत सरकार का अचीवमेंट

है। राहुल गांधी के जातिगत जनगणना के बयान पर जोशी ने कहा कि उन्हें अपनी सरकार के समय ये मुद्दे याद नहीं आए।

हमारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय नेता को जब उचित समय लगेगा, तब इस बारे में उचित निर्णय लेंगे। जोशी ने कहा कि राजस्थान की जनता अपराधियों को संरक्षण देने वाली इस कांग्रेस सरकार को आगामी चुनाव में उखाड़ फेंकेगी और भाजपा के पक्ष में निर्णायक मतदान करेगी। जोशी ने कहा कि भरतपुर और प्रदेश में गैंगवार के हालात तो सभी के सामने हैं। जयपुर से भरतपुर लाए जा रहे एक अपराधी ने खुद पुलिस को अपनी जान का खतरा बताया और बाद में पुलिस कस्टडी में उसकी हत्या कर दी गई।

एक संत विजयदास ने अवैध खनन के खिलाफ आत्मदाह कर लिया। जोशी ने कहा कि कांग्रेस राज में अपराधियों को लगता है कि उनकी रक्षा करने के लिए मंत्री और नेता हैं।

विधानसभा चुनाव-2023 का ऐलान

26 हजार पोलिंग बूथ पर होगी लाइव वेबकास्टिंग

बेधड़क | जयपुर

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से प्रदेश में विधानसभा चुनाव-2023 की घोषणा कर दी गई है। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश की सभी 200 सीटों के लिए आगामी 23 नवबंर 2023 को मतदान और 3 दिसंबर को मतगणना होगी। प्रदेश में 5 करोड़ 27 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

चुनाव घोषणा के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता भी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। सोमवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने शासन सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि

आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ ही प्रदेश में स्थानान्तरण और नियुक्तियों पर रोक लग गई है।

अति आवश्यक होने पर राज्य सरकार निर्वाचन आयोग से मंजूरी लेने के बाद ही चुनाव से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्थानान्तरित कर सकेगी। आयोग के निर्देशानुसार महत्वपूर्ण मतदान केन्द्रों और संवेदनशील क्षेत्रों के 50 फीसदी से ज्यादा यानी 26 हजार मतदान केन्द्रों पर लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी। आयोग ने व्यापक सहभागिता और पारदर्शिता लाने के लिए आईटी एप्लिकेशन का उपयोग बढ़ाया है।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों की सी-विजिल एप के जरिए शिकायत की जा सकती है। केवाईसी एप के जरिए उम्मीदवार के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसी तरह वोटर हेल्पलाइन एप, सक्षम एप और सुविधा पोर्टल के जरिए भी घर बैठे संबंधित सूचनाएं और सुविधाएं प्राप्त की जा सकती हैं।

5 करोड़ 27 लाख से ज्यादा मतदाता डालेंगे वोट

- 22 लाख युवा देंगे पहली बार वोट
- **कुल मतदाता:** 5 करोड़ 27 लाख
- **पुरुष:** 2 करोड़ 75 लाख
- **महिला:** 2 करोड़ 51 लाख
- **युवा मतदाता:** 22 लाख
- **मतदान केंद्र:** 51 हजार 756
- **शहरी क्षेत्र:** 10 हजार 415
- **ग्रामीण क्षेत्र:** 41 हजार 341

मतदान केंद्र पर मतदाताओं की पहचान

पहचान के लिए मतदाता अपने एपिक के साथ-साथ आयोग द्वारा अनुमोदित आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक या डाक घर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की स्कीम के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, पीएसयू कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों/विधायकों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र एवं विशिष्ट दिव्यांग आईडी कार्ड का उपयोग कर सकेंगे।

पहली बार होम वोटिंग की सुविधा

गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाताओं के लिए प्रदेश में पहली बार विधानसभा आम चुनावों में होम वोटिंग की पहल की गई है। इन चुनावों में पात्र 18.05 लाख से अधिक मतदाताओं को विकल्प के तौर पर ये सुविधा मिल सकेगी।

डॉक्टर्स, इंजीनियर्स और युवाओं को देंगे टिकट

बेधड़क | जयपुर

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल और मुख्य प्रवक्ता योगेंद्र गुप्ता ने सोमवार को कहा कि राजस्थान की जनता अन्य सियासी दलों से पूरी तरह ऊब चुकी है। ऐसे बहुत परिवार हैं जिनके घर के सदस्य दिल्ली में रहते हैं और नौकरी करते हैं। इसलिए उनको दिल्ली सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी है।

राजस्थान में हमारी पार्टी अच्छे डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, अधिकारी रहे और युवाओं को मौका देगी। अच्छे लोगों और अच्छे विचारों के साथ हम मैदान में उतरेंगे। दिल्ली और पंजाब की तरह कई बार विधायक और सांसद रहे लोगों का गुरूर तोड़ेंगे। पालीवाल ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने विधानसभा

चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। आम आदमी पार्टी चुनाव के लिए तैयार है। हमारे कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच जा रहे हैं, मैं खुद 25 दिन से प्रदेश के दौरे पर था और जगह-जगह लोगों को अरविंद केजरीवाल की गारंटियों के बारे में बताया। योगेंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री लगातार प्रदेश के दौरे कर रहे हैं लेकिन ये नहीं बताते कीते उनकी पार्टी ने क्या किया ? पूरे देश में बीजेपी के पास ऐसा एक भी मॉडल नहीं जिसको लेकर ये कह सके कि हम सरकार में आने पर ये मॉडल लागू करेंगे।

RE-RE-DO सर्जरी से हटाई हार्ट में मिट्रल वाल्व और इंटरवेंट्रीकुलर सेप्टम के बीच बनी गांठ

SMS अस्पताल के डॉक्टरों ने की जटिल सर्जरी, बचाई मरीज की जान

बेधड़क | जयपुर

सवाई मानसिंह अस्पताल में सोमवार को सिटी सर्जरी डिपार्टमेंट ने ऑपरेशन कर देश का पहला ऐसा ऑपरेशन करने का दावा किया है। डॉक्टरों ने हार्ट में मिट्रल वॉल्व और इंटरवेंट्रीकुलर सेप्टम के बीच बनी गांठ को हटाया गया। ऑपरेशन के दौरान मिट्रल वाल्व को भी बदला गया। देश में ऐसा ऑपरेशन करने वाला एसएमएस पहला अस्पताल बन गया है। ऑपरेशन में 5 घंटे से ज्यादा समय लगा। ऑपरेशन के बाद मरीज को 2 दिन आईसीयू में रखा और फिर जनरल वार्ड में लाया गया।

देश का पहला और विश्व का ग्यारहवां केस

डॉक्टर देवगढ़ा ने बताया कि ऐसे मरीज का देश का पहला और विश्व का ग्यारहवां ऐसा मामला है। देवगढ़ा ने बताया कि मरीज का तीसरी बार ऑपरेशन करना बहुत कठिन था, लेकिन टीम ने विचार-विमर्श के बाद ऑपरेशन करने का निर्णय किया। ये ऑपरेशन 5 घंटे से ज्यादा समय तक चला और इस दौरान मरीज के 4 यूनिट ब्लड चढ़ाया गया। ऑपरेशन के दौरान न केवल मरीज के मिट्रल वॉल्व और इंटरवेंट्रीकुलर सेप्टम को हटाकर गांठ निकाली गई, बल्कि मिट्रल वॉल्व को भी रिप्लेस किया गया। इस दौरान ऑपरेशन में उनके साथ डॉ. अनूला सिसोदिया, डॉ. मोहम्मद सामी, डॉ. संदीप महला, डॉ. वक्ता राम चौधरी, एनिस्थिसिया डिपार्टमेंट से डॉ. रीमा मीना, डॉ. अंजुम और डॉ. अरुण गर्ग और नर्सिंगकर्मी कंचन चौधरी शामिल रहे।

मरीज का हुआ तीसरा ऑपरेशन

एसएमएस के सिटी सर्जरी डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव देवगढ़ा ने बताया कि अजमेर निवासी 44 वर्षीय बरखा जानवानी को 6 साल से सांस की तकलीफ और कमजोरी से परेशान थी। देवगढ़ा ने बताया कि जब महिला ने एसएमएस के सिटी सर्जरी डिपार्टमेंट में दिखाया और जांच की तो पता चला दिल के दो हिस्सों मिट्रल वाल्व और इंटरवेंट्रीकुलर सेप्टम के बीच एक गांठ बनी हुई है। मरीज का पहले भी हार्ट की गांठ का दो बार ऑपरेशन हो चुका था। पहला ऑपरेशन जयपुर में 2011 और दूसरा दिल्ली एम्स में 2013 में हुआ था। मरीज के ऑपरेशन के बाद दिल के नजदीक पेसमेकर भी लगाया गया था। मरीज का कठिन सर्जरी के माध्यम से सफल इलाज किया गया।

जरूरी खबर

जेडीए ने सरकारी भूमि से हटाया अतिक्रमण

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने जोन-13 में जेडीए स्वामित्व की करीब सात बीघा सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त कराया है। इसके अलावा प्रवर्तन शाखा ने चौमूं में इंदिरा कॉलोनी की रोड सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त, रूपमाला की ढाणी में सरकारी आम रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। वहीं उदयपुरिया रोड़ टोडी मोड़ पर भी सरकारी आम रास्ते को कब्जा मुक्त करवाया गया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेंद्र कुमार यादव ने बताया कि जोन-13 के दूल्हा सिंह की ढाणी में जेडीए स्वामित्व की करीब सात बीघा सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटाया गया। जोन-13 के ही चौमूं में इंदिरा कॉलोनी की रोड सीमा पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। साथ ही चौमूं में रूपमाला की ढाणी के पास सरकारी आम रास्ते से कब्जा हटाया गया।

टूट रही दशकों की परम्परा, जिम्मेदार मौन

निगम को 42 लाख रुपए की आय फिर भी मैदान में रामलीला नहीं

इस बार भी नहीं होगी रामलीला, समिति ने भी हाथ पीछे खींचे, ग्रेटर निगम ने भी मौन

बेधड़क | जयपुर

भगवान राम के आदर्शों पर आधारित रामलीला छोटी काशी के लोग इस बार न्यू गेट स्थित रामलीला मैदान पर नहीं देख पाएंगे। दरअसल मर्यादा पुरुषोतम भगवान राम के आदर्शों का साक्षात चित्रण रामलीला आयोजित नहीं हो पाएगी। न्यू गेट स्थित रामलीला मैदान पर प्रति वर्ष होने वाले रामलीला आयोजन को करने वाली गोलछा समिति ने इस बार भी रामलीला नहीं कराने का फैसला लिया है। वहीं रामलीला मैदान पर वाहनों की पार्किंग से सालभर के लाखों रुपए कमाने वाली ग्रेटर निगम भी रामलीला आयोजन को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही है। ऐसे में परकोटे और आसपास के लोगों को रामलीला मंचन होते देखने से एक बार फिर वंचित रहना पड़ रहा है।

श्रीराम नाम पर आयोजन कराने वाले भी चुप

छोटी काशी में कई धार्मिक संस्था और सामाजिक संगठन वर्षभर सनातन धर्म को बढ़ाते हुए कई आयोजन कराते रहते हैं। शहर के इलाकों में विशेष दिनों पर झांकी और रैलियां भी निकाली जाती है। इस आयोजन में भी अच्छा-खासा खर्चा हो जाता है, लेकिन रामलीला के आयोजन को लेकर कोई भी समाज और संस्था ने दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

7 दिन का आयोजन, 7 लाख खर्च

रामलीला का आयोजन करने वाली मंडल के अनुसार नौ दिन के रामायण के आयोजन पर करीब सात से आठ लाख तक का खर्च हो जाता है। इनमें कलाकार, म्यूजिक, पंडाल और लाइट डेकोरेशन आदि कार्य होते हैं। इसके अलावा ऐसे आयोजन के जुड़े लोगों के लिए भी रोजगार की व्यवस्था होती है।

निगम ने जारी किया पार्किंग का टेंडर

वहीं रामलीला मैदान ग्रेटर निगम क्षेत्र में आने के कारण नगर निगम इस मैदान पर वाहनों की पार्किंग कराता है, जिससे निगम को एक साल में करीब 40 लाख रुपए तक की आमदनी हो जाती है। इस बार सितंबर महीने में ही निगम ने 42 लाख रुपए का ठेका जारी किया है। ऐसे में रामलीला मैदान पर रामलीला के आयोजन निगम की ओर से भी कराया जा सकता है, लेकिन ग्रेटर निगम के अधिकारी आयोजन कराने के पक्ष में नहीं है।

लोगों का बना दबाव तो हुई थी एक दिन की रामलीला

स्थानीय लोगों के अनुसार कोरोना महामारी के कारण दो साल तक रामलीला का मंचन नहीं हुआ था। वहीं पिछले साल भी रामलीला का आयोजन कराने वाली समिति ने दर्शकों की कमी का जिक्रकर रामलीला मंचन नहीं कराने का फैसला लिया था। ऐसे में स्थानीय लोगों के विरोध के कारण एक दिवसीय रामलीला का मंचन कराया गया था, लेकिन इस बार समिति रामलीला मंचन को लेकर किसी प्रकार की तैयारियां नहीं कर रही है।

पार्क की जमीन अस्पताल को देने का विरोध

सराफ ने जेडीसी से की मुलाकात

बेधड़क | जयपुर

जेएलएन मार्ग पर वर्ल्ड ट्रेड पार्क के सामने जेडीए द्वारा आदिनाथ नगर के पास स्थित पार्क का आवंटन निजी अस्पताल को करने पर विवाद हो गया है। सोमवार को आसपास की करीब दस कॉलोनियों के लोग पार्क में इकट्ठे हो गए और जेडीए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने लगे। लोगों का कहना है कि इस पार्क की वजह से स्थानीय लोगों को स्वच्छंद हवा मिल रही है। साथ ही सुबह-शाम पार्क में टहलने भी आते हैं। जेडीए ने पिछले दस साल से तो इसे पार्क को सहेज रखा था, अब निजी अस्पताल को दे रहे है। इससे यहां के बाशिंदों को परेशानी होगी।

मामला बढ़ता देख मौके पर पहुंचे

मामला बढ़ता देख मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पार्क की जगह को निजी अस्पताल को देने के विरोध में विधायक सराफ जेडीसी जोगाराम से मिले और स्थानीय लोगों की मांग रखी। उन्होंने कहा कि सालों पुरानी कॉलोनी के लिए जेडीए ने ही पहले इस जगह को पार्क के रूप में विकसित किया। अब इसे किसी निजी अस्पताल के नाम दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पार्क वाली जगह का आवंटन 2003 में ही डंगायच ग्रुप ऑफ ग्रीन फायर हॉस्पिटल प्रा. लि. के नाम हो गया था। जेडीए ने 2015 में इस जगह पर पार्क बना दिया था। अब फिर से हॉस्पिटल को आवंटन जारी किया है। इससे क्षेत्र के लोगों में रोष व्याप्त है। इस अवसर पर आदिनाथ नगर अध्यक्ष उमा शर्मा, ओपी यादव, राखी गंगवाल, तरुण कर्णावत आदि लोग मौजूद रहे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

इंग्लैंड निवासी नेत्र चिकित्सक का घरेलू हिंसा का प्रकरण

कोर्ट ने लिया पति के खिलाफ प्रसंज्ञान

बेधड़क | जयपुर

अपर सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर ने इंग्लैंड निवासी नेत्र चिकित्सक के पति व ससुर के खिलाफ घरेलू हिंसा मामले में प्रसंज्ञान लिया है। महिला चिकित्सक की लगाई गई प्रार्थना पत्र पर कोर्ट ने प्रकरण में उनके पति आदित्य मीणा के विरुद्ध आईपीसी की धारा 498 ए, 406 और 323 और ससुर बुधराम मीणा को खिलाफ धारा 498 ए में प्रसंज्ञान लिया है। गौरतलब है कि जयपुर

की महिला डॉक्टर जो इंग्लैड में रहकर प्रैक्टिस कर रही हैं इस महिला ने अपने पति आदित्य जो गुरुग्राम में एक नामी कंपनी में कार्यरत है के खिलाफ, दहेज, घरेलू हिंसा और और मारपीट करने के आरोप लगाए थे। इस पर कोर्ट ने दोनों के खिलाफ दहेज संबंधी प्रताड़ना व मारपीट होने का प्रसंज्ञान लिया। परिवादियां ने अपने पति ससुर व अन्य परिजनों खिलाफ मारपीट और दहेज संबंधी प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए जयपुर कमिश्नरेट के महिला थाना ईस्ट में एफआईआर दर्ज करवाई थी। इसमें पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया था। महिला डॉक्टर की ओर से पैरवी एडवोकेट गौरी शंकर खंडेलवाल ने की।

यात्री भार बढ़ने से लैंड साइड और टर्मिनल बिल्डिंग में हो रहे हैं विकास कार्य

एयरपोर्ट पर विकास कार्यों ने पकड़ी रफ्तार

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में आगामी वर्षों में बढ़ते वायुयान के यात्री भार को देखते हुए जयपुर एयरपोर्ट पर कई बदलाव किए जा रहे हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से लैंड साइड एरिया और टर्मिनल बिल्डिंग के अंदर विकास कार्य जा रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले साल कुल यात्री भार 4.98 मिलियन रहा। इसमें साल दर साल 7-10 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। एयरपोर्ट प्रशासन भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। एयरपोर्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार छोटे शहरों से कनेक्टिविटी पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। आने वाले वर्षों में यात्री यातायात निश्चित रूप से बढ़ेगा।

पिछले साल रहा 4.98 मिलियन यात्री भार

बनेंगे 13 नए काउंटर

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में टर्मिनल 2 के डिपार्चर एरिया में 26 चेक-इन काउंटर हैं, जबकि 13 और नए काउंटरों का निर्माण कार्य चल रहा है। डिपार्चर एरिया के प्रथम मंजिल पर बोर्डिंग गेट स्थानांतरित किया जा चुका है और अतिरिक्त 100 पैसेंजर्स के बैठने की क्षमता बढ़ा दी गई है, वहीं टर्मिनल बिल्डिंग के अंदर से 10 आरक्षण काउंटर जल्द ही बाहर कर्ब साइड एरिया एक्सटेंशन क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिए जाएंगे।

पुलिस के आंकड़ों में खुलासा

नाबालिग बालिकाएं गलतफहमी में भी दर्ज करा रही हैं रेप के केस

- दुष्कर्म की घटनाओं में राजस्थान एक नंबर पर
- आंकड़ों की पड़ताल में चौकाने वाले तथ्य आए सामने
- 4 साल में 296 एफआईआर में लगी एफआर
- सामाजिक दबाव के कारण दर्ज केस में करना पड़ा राजीनामा

बेधड़क

एक्सक्लूसिव

ओमप्रकाश शर्मा | बेधड़क

जयपुर। देशभर में राजस्थान में सबसे ज्यादा दुष्कर्म की घटनाएं होती हैं। नाबालिग बालिकाओं के साथ भी दुष्कर्म की घटनाओं में राजस्थान एक नंबर पर हैं, लेकिन पुलिस के आंकड़ों की पड़ताल की तो चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। बालिकाओं के साथ होने की वाली दुष्कर्म की घटना के केस गलतफहमी के कारण भी दर्ज हो रहे हैं।

पिछले चार साल में दर्ज हुए पोक्सो एक्ट के मामलों में से 296 प्रकरण बालिकाओं व उनके परिजनों द्वारा आरोपी पक्ष के खिलाफ गलतफहमी में दर्ज कराए हैं। हालांकि ऐसे प्रकरणों में पुलिस ने एफआर लगा दी हैं। पड़ताल में सामने आया कि पीड़िता के साथ दुष्कर्म की घटना हुई या फिर नहीं हुई थी, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण व किसी बात को लेकर हुए विवाद के कारण दर्ज केस में राजीनामा करना पड़ा। तब पुलिस ने ऐसे मुकदमों में संबंधित पीड़िता द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे की जांच में माना है कि बालिका द्वारा गलतफहमी में केस दर्ज कराया है।

3 साल में 571 ने किया दुष्कर्म

प्रदेश में पिछले पांच सालों में बाल अपराध बढ़े हैं। नाबालिग बालक गंभीर अपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पिछले तीन साल में नाबालिग बालकों ने नाबालिग बालिकाओं के साथ 571 दुष्कर्म की घटनाओं को अंजाम दिया है। वर्ष 2021 में 291 नाबालिग बालकों के खिलाफ पोक्सो एक्ट के मुकदमे दर्ज किए हैं, जबकि वर्ष 2022 में 280 बालकों और वर्ष 2023 में 117 से ज्यादा बालकों के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामले दर्ज हुए हैं।

8 फीसदी के करीब केस झूठे

पड़ताल में सामने आया कि प्रदेश के थानों में दर्ज होने वाले नाबालिक बालिकाओं के साथ दुष्कर्म की करीब 8 फीसदी मामले झूठे पाए गए हैं। इन मामलों में पुलिस ने एफआर लगाई है, लेकिन झूठा मुकदमा दर्ज करने पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। वर्ष 2021 में पोक्सो एक्ट के तहत प्रदेश में 3684 मामले दर्ज हुए, जबकि वर्ष 2022 में 4043 और वर्ष 2023 में जून माह तक 2114 केस दर्ज हुए। इनमें से पुलिस ने वर्ष 2021 में 818 मामलों में, वर्ष 2022 में 890 केस और वर्ष 2023 में 343 प्रकरणों को जांच में झूठा मानकर एफआर लगाई है।

सूरजपोल मंडी से 810 लीटर घी किया जब्त

जयपुर। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने राजधानी के सूरजपोल इलाके में बड़ी कार्रवाई करते हुए 810 लीटर घी को जब्त किया है। यह कार्रवाई शुद्ध के लिए युद्ध अभियान को लेकर विभाग के जयपुर प्रथम आयुक्त शिव मदन नकाते और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम के दल ने सूरजपोल मंडी स्थित फर्म श्रीमहालक्ष्मी ट्रेडिंग कंपनी पर कार्यवाही करते हुए 810 लीटर घी जब्त किया गया। यह घी ब्रांड गोपीश्री विभिन्न साइज की पैकिंग में रखा पाया गया। यह घी आमजन को बेचने के लिए रखा था।

जरूरी खबर

वीसीए पावर प्लांट के विरोध में धरना जारी

सीकर। जिले के धोद इलाके में वीसीए पावर प्लांट लगाने का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। पावर प्लांट के विरोध में लगातार 19वें दिन भी ग्रामीणों का धरना जारी रहा। ग्रामीणों ने सोमवार दोपहर 2 से 5 बजे तक धोद थाने का घेराव किया। ग्रामीणों का कहना है कि धरने पर बैठे लोगों को पुलिस बेवजह परेशान कर रही है। इतना ही नहीं धरनार्थियों को पुलिस शांतिभंग में गिरफ्तार कर थाने में मारपीट करती है। संघर्ष समिति के किशन पारीक ने बताया कि पावर प्लांट लगने से पानी की किल्लत और भी बढ़ जाएगी।

आचार संहिता लागू होते ही बैनर-पोस्टर हटाना शुरू

दौसा। राजस्थान सहित पांच प्रदेशों में सोमवार को आचार संहिता जैसे ही लगाई गई, वैसे तुरंत प्रभाव से प्रशासनिक मशीनरी सक्रिय हो गई। नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका हरकत में आ गई। इसके बाद सार्वजनिक स्थानों पर लगे राजनीतिक पार्टियों के प्रचार-प्रसार वाले तमाम बैनर-पोस्टरों को हटाने का सिलसिला शुरू हो गया। वहीं सरकारी योजनाओं के पोस्टर बैनर भी हटाए जा रहे हैं। आचार संहिता लगने के बाद में किसी कोई भी राजनीतिक पार्टी या सरकार की किसी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किए जाने पर रोक लग जाती है। ऐसे में सरकारी योजनाओं के पोस्टर-बैनर भी हटा दिए जाते हैं।

3 हजार के नकली नोट बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

नागौर। मेड़ता सिटी थाना पुलिस की टीम ने डीएसटी की सूचना पर 3 हजार रुपए के नकली नोटों के साथ आरोपी असलम उर्फ सुमो (18) निवासी थाना मेड़ता सिटी नागौर तथा अशरफ (18) निवासी थाना जैतारण जिला पाली हाल थाना मेड़ता सिटी को गिरफ्तार किया है। एसपी नारायण टोगस ने बताया कि सोमवार को एसएचओ मेड़ता सिटी प्रमोद कुमार शर्मा को गश्त के दौरान नकली नोटों के बारे में सूचना दी गई। इसके बाद टीम ने दोनों आरोपियों को दबोच लिया। इसके पास से 500-500 के 6 जाली नोट बरामद किए गए। आरोपियों से पूछताछ में बडा खुलासा होने की संभावना है।

मुकंदरा हिल्स के बफर एरिया में 21 किमी तक शुरू की जिप्सी से सफारी, अभी एक बार में सिर्फ 6 पर्यटक

टाइगर सफारी का रोमांच... प्राकृतिक नजारों ने भी लुभाया

■ इसी वर्ष अप्रैल महीने में बना था वन्यजीव अभयारण्य

बेधड़क | कोटा

इसी वर्ष शुरू किए गए मुकंदरा हिल्स को सोमवार को पर्यटकों के लिए खोल दिया गया। इसमें अब पर्यटकों के लिए टाइगर सफारी शुरूआत की गई। पर्यटक दो पारियों में जंगल की सैर कर सकेंगे।

इस दौरान वन्यजीवों को देखने के साथ ही पर्यटक यहां के मनमोहक प्राकृतिक नजारे भी देख सकेंगे। टाइगर रिजर्व के बफर

एरिया में सावन भादो टूरिज्म रूट में 21 किमी क्षेत्र में पर्यटकों के लिए जिप्सी सफारी शुरू की गई। पहली पारी में 6 पर्यटकों ने रिजर्व के मनमोहक नजारों को देखा। इस दौरान पर्यटक जंगल के आकर्षक नजारे को देखकर अभिभूत हो उठे। हर दृश्य को कैमरे में कैद करने की उत्सुकता उनमें सहज ही दिख रही थी।

सफारी के दौरान जंगल में कई जगहों पर वन्यजीवों ने भी अपनी अठखेलियों से पर्यटकों को रोमांचित किया। मानसून के बाद जंगल का नजारा भी अपने आप में खास बना हुआ है। इस बार कोटा में भरपूर बारिश होने से जंगल पूरी तरह हरा-भरा दिख रहा है। इसको लेकर पहले ही दिन पर्यटकों में रोमांच दिखाई दिया।

एंट्री फीस 137, जिप्सी किराया 615 रुपए

वनविभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रति व्यक्ति एंट्री फीस 137 रुपए रखी गई है। वहीं जिप्सी किराया 615 रुपए प्रति व्यक्ति है। यानी एक व्यक्ति को रिजर्व में घूमने के लिए कुल 752 रुपए देने पड़ेंगे। फिलहाल एक ही जिप्सी रजिस्टर्ड होने से पूरी जिप्सी की बुकिंग करवानी होगी। गौरतलब है कि मुकंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व स्थापना अप्रैल 2023 में हुई थी। ये टाइगर रिजर्व चार जिलों कोटा, बूंदी, झालावाड़ और चित्तौड़गढ़ में फैला हुआ है। वर्तमान में मुकंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में एक बाघ व एक बाघिन ही है।

इस तरह रहेगी सफारी की व्यवस्था

कार्यवाहक सीसीएफ बीजू जॉय ने बताया फिलहाल सावन भादो रूट ही पर्यटकों के लिए खोला गया है। इसमें पर्यटक दो शिफ्टों में सफारी कर सकेंगे। पहली शिफ्ट सुबह 6.30 से 9.30 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक रहेगी। सफारी बुकिंग के लिए पर्यटकों को दर्रा रेंज कार्यालय पर सम्पर्क करना होगा। गौरतलब है कि लंबे समय से कोटा के वन्यजीव प्रेमी टाइगर रिजर्व में सफारी शुरू करने की मांग कर रहे थे। फिलहाल टाइगर रिजर्व में एक ही जिप्सी रजिस्टर्ड हुई है। इसमें एक साथ 6 लोग सफारी के लिए जा सकते हैं। जिप्सी की बुकिंग के लिए 6 पर्यटकों को कुल 4 हजार 508 रुपए देने होंगे।

दो वाहनों की भीषण टक्कर के बाद कार के पीछे घुसी स्कार्पियो

ओवरटेक के फेर में ट्रेलर से भिड़ी कार, दो भाइयों की मौके पर मौत

बेधड़क | बाड़मेर

सदर थाना क्षेत्र के एनएच 68 पर सोमवार को कार, ट्रेलर की जोरदार भिड़त में दो सगे भाइयों की जान चली गई। हादसे के दौरान एक स्कॉर्पियो भी दुर्घटनाग्रस्त कार के पीछे जा टकराई। हादसे में कार सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर घायल हो गई, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार ओवरटेक के चक्कर में कार सामने से आ रहे ट्रेलर में जा घुसी। हादसा इतना खतरनाक था कि ट्रेलर की भिड़ंत से कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नेशनल हाईवे-68 पर धोरीमन्ना की तरफ स्विफ्ट कार जा रही थी। इस दौरान ओवरटेक करने के चक्कर में कार सामने से आ रहे ट्रेलर से जा टकराई। वहीं कार के पीछे आ रही स्कॉर्पियो भी कार से जा भिड़ी। हादसे में स्विफ्ट कार पूरी तरह पिचक गई और अंदर बैठे 3 लोग इसमें फंस गए। कार सवार कुर्जा निवासी अशोक (21) और उसके चचेरे भाई मनोज (22) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अशोक की पत्नी संतोष (21) गंभीर घायल हो गई। आस-पास के लोगों ने घायल महिला को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा।

हाईवे पर 8 बार पलटी कार, युवक की मौत व 3 घायल

कोटा। जिले के सिमलिया थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार पलटने से एक युवक की मौत हो गई। युवक दोस्तों के साथ कोटा से बारां जा रहा था। टोल नाके के पास कार अनियंत्रित होकर आठ बार पलटी खाते हुए डिवाइडर से टकरा गई। सिर पर चोट लगने से गंभीर घायल बारां निवासी सानिध्य कुमराह (23) की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं कार सवार उसके तीन दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना कोटा-बारां फोरलेन पर सिमलिया टोल नाके के पास रविवार रात करीब साढ़े दस बजे की है। सानिध्य के ताऊ योगेश ने बताया कि सानिध्य बीकॉम की पढ़ाई कर रहा था। रविवार को तीन दोस्त सारांश बंसल, शोभित बंसल और लवीश जैन के साथ कार से किसी काम से कोटा आया था। रात को चारों दोस्त वापस बारां जा रहे थे। सानिध्य कार में पीछे की सीट पर बैठा था। कार को उसका दोस्त चला रहा था। सिमलिया टोल नाके से पहले कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें चारों घायल हो गए। सिर पर चोट लगने से सानिध्य की मौत हो गई।

भाभी से मिलकर आ रहे थे दोनों भाई

मामले में सामने आया कि अशोक के बड़े भाई रूपाराम की पत्नी की डिलीवरी होने की वजह से वह हॉस्पिटल भर्ती थी। अशोक अपनी पत्नी संतोष और चचेरे भाई मनोज के साथ सुबह बाड़मेर हॉस्पिटल उससे मिलने आए थे। इसके बाद दोपहर में वे वापस गांव कुर्जा की तरफ जा रह थे। इस दौरान ट्रेलर से कार की टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शी रेस्टोरेंट के मालिक महेश कुमार ने बताया कि हम काम कर रहे थे। इसी दौरान बहुत तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। ऐसा लगा जैसे बम फटा हो। हम भागकर होटल के बाहर पहुंचे तो देखा कि ट्रेलर और 2 कारों में एक्सीडेंट हुआ है। रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे में यह दर्दनाक सड़क हादसा कैद हो गया। फुटेज में साफ नजर आ रहा है कि तेज रफ्तार कार एक ट्रेलर से भिड़ जाती है। पुलिस मृतकों की शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है।

मूलभूत सुविधाएं देने की मांग

ग्रामीणों के सब्र का बांध टूटा, मतदान के बहिष्कार की चेतावनी

बेधड़क | बाड़मेर

राजस्थान स्टेट मिनरल लिग्नाइट लिमिटेड की ओर से बाड़मेर के गिरल गांव में चल रही कोयला खदान में कार्यरत ट्रक ड्राइवर, कार्मिकों और स्थानीय ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इसमें समस्या का समाधान नहीं होने पर विधानसभा चुनाव में मतदान के बहिष्कार की चेतावनी दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार को गिरल गांव में संचालित हो रही खदान से सालाना 100 करोड़ से ज्यादा का राजस्व मिल रहा है, लेकिन प्रशासन स्थानीय लोगों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर गंभीर नहीं है।

स्थानीय ग्रामीण सड़क, पेयजल, पानी और खदान से निकलने वाले धूल और धुएं से परेशान हैं। इस प्रदूषण से गंभीर बीमारियां हो रही हैं और इन खदानों से कोयला परिवहन करने के लिए चल रहे ट्रकों से सड़कें भी खस्ता हाल हो रही है। खनन गतिविधियों से पेयजल आपूर्ति से जुड़ी पाइप लाइन तक तोड़ दी गई है। कई बार स्थानीय प्रशासन से गांव की सड़कों की मरम्मत और पेयजल व्यवस्था सुचारू करने की मांग की गई। लेकिन जिला प्रशासन ने उनकी मांगों को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई।

नियमों की धज्जियां उड़ाने का आरोप

इन श्रमिकों का कहना है कि इन खदानों में श्रम विभाग के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ रही हैं। श्रम विभाग की गाइड लाइन में साफ लिखा है कि कोई भी कार्मिक आठ घंटे से ज्यादा काम नहीं करेगा, लेकिन खदानों में उनसे 12-12 घंटे काम करवाया जाता है। साथ ही नियम है कि प्रत्येक कर्मचारियों का पीएफ काटा जाए, उन्हें सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाए जाएं, लेकिन इन खदानों में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं दिख रही है। इस शोषण के चलते लोगों में रोष व्याप्त है।

जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने बढ़ाया हौसला

फुटबॉल खिलाड़ियों ने मैच में दिखाया दम

बेधड़क | सीकर

एनएच-52 स्वामी केशवानंद शिक्षण संस्थान समूह भढाडर सीकर स्थित स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में 67वीं राज्यस्तरीय छात्र-छात्रा (14 वर्ष वर्ग) फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ।

इस मौके पर मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक परिस अनिल देशमुख, अतिरिक्त जिला कलेक्टर राकेश कुमार एवं संस्था निदेशक रामनिवास ढाका ने खिलाड़ियों से मुलाकात करते हुए हौसला अफलाई की। इस दौरान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय सीकर लालचंद नहलिया, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सीताराम खारिया, प्रतियोगिता प्रर्यवेक्षक अरविंद भास्कर एवं निदेशक रामनिवास ढाका ने संबोधित किया। उद्घाटन समारोह के बाद उद्घाटन मैच बालक वर्ग में अजमेर व जयपुर शहर के मध्य खेला गया। इसमें जयुपर शहर की टीम विजेता रही।

इन्होंने जीता मैदान

श्रीगंगानगर ने जैसलमेर को 7-0 से, सांचौर ने धोलुपर को 5-1 से, बिकानेर ने डुगरपुर को 1-0 से, बाड़मेर ने जयपुर ग्रामीण को 8-0 से (छात्रा वर्ग), हनुमानगढ़ ने चुरू को 3-0 से, खैरथल तिजारा ने झुंझुनूं को 2-0 से, चुरू ने नागौर को 1-0 से, (छात्रा वर्ग), गंगानगर ने झुंझुनूं को 4-0 से (छात्रा वर्ग), सवाई माधोपुर ने भीलवाड़ा को 2-0 से, फलौदी ने जालौर को 4-0 से, बालोतरा ने भरतपुर को 3-0 से, करौली ने शाहपुरा को 2-0 से हरा कर बाजी मार ली।

तीन दरिंदों ने वारदात के बाद पीड़िता से रुपए भी ऐंठे

विवाहिता से रेप के बाद आरोपियों ने वीडियो वायरल की दी धमकी

बेधड़क | धौलपुर

मनिया थाना इलाके में एक विवाहिता से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपियों ने दुष्कर्म का वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता से रुपए भी ऐंठ लिए। पीड़िता ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। इसमें बताया है कि आरोपियों ने दुष्कर्म के दौरान वीडियो बनाया और फिर उसे वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल कर रहे थे। साथ ही पीड़िता ने बताया कि आरोपी उससे काफी पैसे ऐंठ चुके थे। मामले में आरपीएस प्रशिक्षु अंगद शर्मा ने कहा कि मनिया थाने इलाके की एक विवाहिता ने तीन युवकों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि तीन परिचित युवक उसको बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए और तीनों ने दुष्कर्म किया। आरोपियों ने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उससे पैसे हड़पे।

तीनों आरोपी फरार

मामले की जांच कर रहे प्रशिक्षु आरपीएस अंगद शर्मा ने बताया कि घटना के बाद आरोपी फरार हो चुके हैं। पुलिस ने पीड़िता का बोर्ड द्वारा मेडिकल कराया है। पुलिस द्वारा पीड़िता के पर्चा बयान लिए जा रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीमें लगातार उनके ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। तीनों आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आचार संहिता से पहले लोकार्पण की आपाधापी...

जनप्रतिनिधियों ने आनन-फानन में विकास कार्य जनता को किए समर्पित

■ JLN हॉस्पिटल को मिलेगी ऑटोमेटिक लांड्री मशीन

बेधड़क | अजमेर

प्रदेश में सोमवार को चुनाव की आचार संहिता लगने से पहले सरकार की ओर से कराए जा रहे विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास की भागदौड़ लगी रही। कई मंत्री-विधायकों और जनप्रतिनिधियों ने आचार संहिता की घोषणा से ठीक पहले तक आपाधापी में विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास कर दिया। इसी कड़ी में अजमेर में आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़ ने जेएलएन हॉस्पिटल अजमेर में 88 लाख की लागत से ऑटोमेटिक लांड्री मशीन का लोकार्पण आचार संहिता से आधे घंटे पहले कर दिया। पहले यह कार्यक्रम सुबह साढ़े 11 बजे निर्धारित था, लेकिन बाद में 11 बजे ही लोकार्पण कर दिया गया। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. वीरबहादुर भंडारी, अस्पताल अधीक्षक डॉ. नीरज गुप्ता भी मौजूद रहे। पुष्कर स्थित पत्रकार कॉलोनी में सोमवार दोपहर आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़, पुष्कर पालिका अध्यक्ष महर्षि अपनी सरकारी गाड़ी से सामुदायिक भवन की नींव रखने पहुंचे। यहां आने के कुछ देर बाद ही दोपहर 12 बजे आचार संहिता लागू हो गई।

आचार सहिंता लगते ही मौके से रवाना हो गए सरकारी वाहन

दोपहर 12.20 बजे जब जनप्रतिनिधि निर्माण स्थल से बाहर आए तो वहां से सरकारी वाहन रवाना उनको लिए बिना ही रवाना हो चुके थे। इसके बाद राठौड़ मनोनीत पार्षद सर्वेश पारीक व ब्लाक अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल की कार से आरटीडीसी पहुंचे। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीर बहादुर भंडारी ने बताया कि अस्पताल की पहली प्राथमिकता साफ-सफाई की रहती है। ऐसे में ऑटोमेटिक लांड्री की सुविधा फायदेमंद साबित होगी। इसका निर्माण 88 लाख की लागत से किया गया है। इस दौरान राठौड़ ने बताया कि इससे मरीज, स्टाफ के कपड़े कम समय में धुल सकेंगे।

काम अधूरा...फिर भी कर दिया लोकार्पण

सीकर। जिले में चुनाव आचार संहिता से पहले विकास कार्यों के लोकार्पण का जल्दबाजी दिखाई दी। सीकर में चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले शहर में लोकार्पण कार्यक्रम हुआ। नगर परिषद सभापति जीवण खां ने सुबह 11:30 बजे मार्ग और सर्किल का लोकार्पण किया। दरअसल सीकर शहर में सीआर मैरिज गार्डन में सोमवार शाम को महात्मा ज्योतिबा फुले सर्किल और सावित्रीबाई फुले मार्ग का लोकार्पण कार्यक्रम होना था। सुबह जैसे ही चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस की सूचना जारी हुई तो कार्यक्रम को सुबह 11 बजे ही शुरू करवा दिया गया। जिस सर्किल और मार्ग का लोकार्पण होना था वह तैयार ही नहीं हो पाए। ऐसे में आनन-फानन में दोपहर 12 बजे बाद तक सावित्रीबाई फुले मार्ग का बोर्ड लगाया जा रहा था। जबकि ज्योतिबा फुले सर्किल का अभी तक काम ही पूरा नहीं हो पाया है।

चुनावी पोळ

बाज्यो शंख चुणाव को,
तारीख हुगी तय ।
दे मूंछ्यां का बळ,
थे वोट दीज्यो निरभय।।
■ गजानन

सीधे फील्ड से

हुआ चुनावी शंखनाद, मुकाबले की तिथियां घोषित, राजस्थान-मोर्चाबंदी और चेहरे तय

मुद्दा विहीन नहीं है यह चुनाव

■ गजानंद शर्मा की रिपोर्ट

जयपुर। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए शंखनाद हो गया है। इनमें राजस्थान भी शामिल है, जहां मतदान एक ही चरण में 23 नवंबर को होगा। पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को वोट पड़ेंगे। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में 7 व 17 नवंबर को दो चरणों में, तेलंगाना में 30 नवंबर को और मिजोरम में 7 नबंबर को मतदान होगा। नतीते 3 दिसंबर को आएंगे। राजस्थान में यह चुनाव बहुत ही अहम है। सवाल उठ रहा है कि परम्परा कायम रहेगी या रिवाज टूटेगा! मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी सरकार रिपीट करने के लिए अपना पूरा प्रशासनिक व राजनीतिक कौशल झोंक रखा है तो भाजपा भी वापसी के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। सवाल यह भी है कि क्या कांग्रेस हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में मिली चुनावी सफलता का सिलसिला इन पांच चुनावी राज्यों में जारी रख सकेगी? छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है और मध्य प्रदेश में भी वह सत्ता में वापसी की दावेदार है।

यदि इन तीनों राज्यों में कांग्रेस सत्ता में वापसी कर लेती है तो यह उसके लिए संजीवनी से कम नहीं होगी और भाजपा के लिए यह लोकसभा चुनाव से पहले बहुत बड़ा सियासी झटका हो सकता है। लेकिन भाजपा कांग्रेस को इतनी आसानी से मैदान मारने नहीं देगी। राज्यों में पार्टी के भीतर किसी भी चुनावी कलह को समाप्त करने के लिए भाजपा ने सामूहिक नेतृत्व का मंत्र फूंका है। यानी चेहरा बस कमल और पीएम मोदी का रहेगा। पार्टी की चुनावी व्यूहरचना भी इसी के ईद-गिर्द रहने वाली है। पीएम मोदी के काम और नाम भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हैं और कांग्रेस इस ताकत का तोड़ जातीय जनगणना और ओबीसी आरक्षण में देख रही है। कांग्रेस कार्यसमिति की हैदराबाद बैठक में पारित प्रस्तावों से यह साफ हो गया था कि अब पार्टी की चुनावी रणनीति के दो अहम हथियार जातीय जनगणना, महिलाओं के लिए विधायिका में आरक्षण को तत्काल लागू करने और ओबीसी आरक्षण को बढ़ाने यानी जिसकी जितनी आबादी, उसको उतना हक वाली थीम पर चलेगा। इसी आधार पर मोर्चाबंदी हो रही है।

अब यह सर्वमान्य तथ्य है कि भाजपा की हाल ही की चुनावी सफलता में ओबीसी मतों की बहुत अहम भूमिका रही है। इसका अर्थ यह नहीं है कि ओबीसी में शामिल सभी जातियां भाजपा के समर्थन में खड़ी थीं। लेकिन भाजपा ने राज्यों की समाजिक संरचना के अनुसार जातीय समीकरण बनाए और वह उनको वोटों में तब्दील करने में कामयाब रही। जैसे उत्तर प्रदेश में भाजपा को पता था कि सर्वाधिक ओबीसी वोट यादव मत उसके पाले में नाममात्र के रहेंगे तो उसने गैर यादव ओबीसी मतों के एकजुट कर समीकरण साधे। लेकिन राजस्थान में तो भाजपा ओबीसी के सबसे बड़े मतदाता समूह को अपने साथ रखकर चल रही है। राजनीतिक विश्लेषक राजस्थान भाजपा में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया की वापसी और पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा का पार्टी में आना इसी रणनीति का हिस्सा मानते हैं और इसे पंजाब में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ व हरियाणा में कुलदीप बिश्नोई को भाजपा में लाने और उत्तर प्रदेश में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी से जोड़कर देखते हैं। देश के राजनीतिक परिदृश्य में हाल में कुछ बदलाव आए हैं। विपक्षी दलों का इंडिया नाम से नया गठबंधन बन गया। दूसरी ओर केंद्र सरकार ने विशेष संसद सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पारित करा एक और ऐतिहासिक काम अपने नाम लिखा लिया।

कांग्रेस के लिए तारणहार बन सकती है ईआरसीपी!

जातिगत सर्वे के साथ ही कांग्रेस पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना यानी ईआरसीपी को चुनावी मोर्चे पर ले आई है और वह इसके सहारे वोटों की फसल काटना चाहती है। जातिगत सर्वेक्षण और ईआरसीपी उसकी चुनावी व्यूहरचना के दो अहम बिंदु हैं। ईआरसीपी प्रत्यक्ष रूप से राज्य के 13 जिलों से जुड़ी है। इस परियोजना के खिलाफ तो शायद ही कोई पार्टी होगी, लेकिन हां इसके तकनीकी स्वरूप को लेकर मतभेद हो सकते हैं। अब यह मसला चुनावी मुद्दा बन रहा है। कांग्रेस 16 अक्टूबर से बारां से इस मसले को लेकर यात्रा शुरू करने जा रही है। सत्ता में वापसी की दावेदार भाजपा के लिए यह दोनों मुद्दों अहम चुनौती होंगे। अब देखना है कि भ्रष्टाचार और बदहाल कानून व्यवस्था को लेकर गहलोत सरकार को घेर रही भाजपा इस चुनौती का क्या तोड़ निकालती है।

जातीय आरक्षण का बड़ा दांव

कांग्रेस या अन्य विपक्षी दल इस पर चाहे जितने सवाल खड़े करें और कमियां गिनाएं लेकिन सच्चाई यही है कि वे जो नहीं कर पाए, वह पीएम मोदी ने अपने राजनीतिक कौशल से कर दिखाया और लगभग सभी दलों को एक पाले में लाकर खड़ा कर दिया। साफ है इसका राजनीतिक फायदा भाजपा इन चुनावों में उठाना चाहेगी। भाजपा के इसी रणनीतिक हथियार की धार कुंद करने के लिए कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल अब जातीय जनगणना का मुद्दा जोर-शोर से उठा रहे हैं। राजस्थान में अशोक गहलोत चुनावों की घोषणा से पहले इस दिशा में अहम पहल कर चुके हैं। सरकार ने शनिवार रात एक आदेश जारी कर जातिगत सर्वेक्षण का आदेश जारी कर दिया। राजस्थान की चुनावी मोर्चाबंदी में मुख्यमंत्री गहलोत का यह बड़ा चुनावी दांव है। राजस्थान में पिछले दो तीन महीनों में अगड़े-पिछड़े सभी जातीय समुदायों के सामाजिक सम्मेलन हुए जिसमें ओबीसी में शामिल अग्रणी जातियों के सम्मेलन भी शामिल हैं। राज्य के सबसे बड़े व सबसे समर्थ ओबीसी समाज जाट समाज के सम्मेलन में ओबीसी आरक्षण को बढ़ाने और जातीय जनगणना की मांग प्रमुखता से उठी। इसके अलावा ओबीसी की अन्य जातीयां जो आरक्षण का अभी तक समुचित फायदा नहीं उठा सकी हैं, उन्होंने भी अपने- अपने स्तर पर ओबीसी आरक्षण को तार्किक रूप से विभाजित करने की मांग उठाई और अपने लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग की। जातिगत सर्वेक्षण के सरकार के इस फैसले में ओबीसी की कमजोर जातियों को अपने लिए कुछ अच्छा नजर आ सकता है। सरकार ने पिछले दो-तीन महीनों में विभिन्न समाजों के लिए अलग अलग बोर्डों का गठन किया है। इनमें से बहुत से बोर्ड ओबीसी में शामिल जातियों के भी हैं, जिनका राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व बहुत कम है। इन बोर्डों के माध्यम से सीएम गहलोत ने उन वर्गों तक पहुंचने का प्रयास किया है, जिनके पास राजनीतिक ताकत नहीं है। कमजोर जातियों के लिए बने बोर्ड के तार जातीय सर्वेक्षण से जुड़कर अहम बन सकते हैं। अब यह कांग्रेस पर है कि वह संदेश को कहां तक लोगों के दिल में उतार पाती है। कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जातिगत गणना की हिमायत करते रहे हैं।

बेनीवाल की सेंध दोनों पार्टियों के लिए चुनौती

एक और यात्रा राजस्थान के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने के लिए आगे बढ़ रही है। यह है हनुमान बेनीवाल की संकल्प यात्रा। बेनीवाल की यात्रा मारवाड़ अंचल की 27 सीटों को कवर कर चुकी है। बेनीवाल की जाट मतों में सेंध कांग्रेस व भाजपा दोनों के लिए ही चुनौती है। इस यात्रा से नागौर व मारवाड़ इलाके के जाट नेताओं के बीच वाक्युद्ध भी शुरू हो गया है। कभी कभी मन में विचार आता है क्या इस यात्रा से राजस्थान में कोई नया जाट नेतृत्व उभरेगा जो मिर्धा, मदेरणा, कुंभाराम आर्य, शीशराम ओला जैसी सामाजिक स्वीकार्यता हासिल कर सकेगा। आरएलपी की सेंध से बचना भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए ही आसान नहीं होगा। किसकी व्यूहरचना कितनी मजबूत है, बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा।

बिहाइंड द कर्टेन

कहीं खुशी कहीं गम

फूल वाली पार्टी की पहली सूची क्या बाहर आई भाइयों के बीच कहीं खुशी कहीं गम का माहौल बन गया। दिग्गज दावेदारों पर जिस तरीके से तलवार चलाई गई है, आने वाली सूची में अब क्या होगा यह सोचकर कई दिग्गज भाइयों की नींद उड़ गई है। अब अगली सूची श्राद्ध के बाद आने का बताया जा रहा है। सूची में एक लॉबी विशेष के नेताओं को भी झटका लगा है। लिहाजा अब इस लॉबी के भाई लोग बोरिया बिस्तर लेकर दिल्ली की तरफ रवाना हो गए हैं। खबर ये भी है कि इनमें से कइयों ने नए ठौर की तलाश पूरी भी कर ली है और नए नेता की ड्योढ़ी को ढोकने में लगे हैं। सूची में से कई बड़े नेताओं के भी नाम गायब हैं जो दूसरों को भी टिकट दिलाने का दावा कर रहे थे। भाई लोग टिकट के इस फॉर्मूले को समझने का भी प्रयास कर रहे हैं। इधर दिल्ली दरबार से छनकर खबर आ रही है कि टिकट देने में ना इसकी ना उसकी, चली है तो जांच पड़ताल की रिपोर्ट की। पांच स्तर पर हुई ये जांच भी अजीब कौतूहल का विषय बनी है। रिपोर्ट की फाइल सीधे मोटा भाई के कंप्यूटर पर ही खुलती है, इसलिए मामला पेचीदा हो जाता है। अब देखने वाली बात ये है कि अगली सूची में किसका होगा नाम और कौन होगा बाहर। भाइयों की कसरत भी अब बढ़ने वाली है।

■ यायावर

ई वॉर

Govind Singh Dotasra @GovindDotasra · 3h
विकास और विश्वास के साथ
रिवाज़ बदलेगा, कांग्रेस का हाथ

BJP Rajasthan @BJP4Rajasthan
55 दिन बाद राजस्थान में युवाओं को पेपर लीक और बेरोजगारी से
किसानों को बदहाली और वादाखिलाफी से
महिलाओं को अपराध और असुरक्षा से
दलितों को अत्याचार और उत्पीड़न से
जनता को जंगलराज और कुशासन से मिल जाएगी मुक्ति।
क्योंकि आ रही है भाजपा सरकार

Rajasthan PCC reposted
Mallikarjun Kharge @kharge
5 राज्यों के चुनावों की घोषणा के साथ भाजपा और उसके साथियों की विदाई का भी उद्घोष हो गया है।
छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में कांग्रेस पार्टी मजबूती के साथ जनता के पास जाएगी।
जन-कल्याण, सामाजिक न्याय और प्रगतिशील विकास ही कांग्रेस पार्टी की गारन्टी है।

थड़ी पॉलीटिक्स

नाई-नाई कितने बाल, ठहरो जजमान अभी सामने आ रहे हैं

स्थान टी-स्टॉल एमडी रोड | **समय** शाम 5 बजे

चुनावी चकल्लस एक लेवल ऊपर पहुंच गई है। आचार संहिता के बाद घोषणाओं के पिटारे का मुंह बंद होने से कुछ देर के लिए सन्नाटा हुआ। लेकिन एक पार्टी की लिस्ट ने कुछ देर बाद ही चर्चाओं की सादा सी 'रेसिपी' में कयासों के नए मिर्च मसाले डाल दिए। टिकट घोषणा के साथ ही ओपिनियन पोल का झुनझुना शहर की गलियों और चौक-चौपालों तक पहुंच गया। प्रदेश की सरकार बनने का दिन 3 दिसंबर मुकर्रर हुआ है लेकिन इन ठीयों पर रोजाना सरकार बन रही हैं, बिगड़ रही हैं। लोगों की आपसी चर्चाओं के बीच से निकलने वाले राजनीतिक मक्खन को तलाश करते हुए हम पहुंचे एमडी रोड की एक टी-स्टॉल पर। यहां हाथ में चाय के कप थामे कुछ युवाओं की मंडली जमी थी। चर्चा चल रही थी बिजनेस की लेकिन इन दिनों हर चर्चा का चुनाव की ओर मुड़ना तय है, यही हुआ। चाय की चुस्की ले रहे पुनीत ने बात छेड़ी-"अबकी बार तो 130 सीट आएंगी कोई रोक नहीं सकता। इन 41 में से तो 35 जीतेंगे पक्का। पहले ही मास्टर स्ट्रोक मार दिया इस बार तो। अब धरी रह जाएंगी सारी घोषणाएं।" पुनीत की इस बात से शायद पवन के दिल का कोई खास हिस्सा आहत हो गया-"तू तो आज ही शपथ दिलवादे किसी को, तेरा ही राज चल रहा है। पर तू क्या शपथ दिलवाएगा, तुम्हें तो पता ही नहीं कि कौन तुम्हारे सिर पर आकर बैठेगा। एमएलए का चुनाव लड़ने के लिए तुम्हें एमपी लाने पड़ रहे हैं। तुम्हारा जोर चले तो 200 में से 250 सीटें दिलवा दो।" बात में दम था, तो ठहाके लग पड़े। इतनी देर से मोबाइल में लगे पंकज ने भी चर्चा में एंट्री मारी- "अरे तो तुम क्यों पागल हो रहे हो। अब तो चुनाव तक मजे लो। ये नेता अभी तुम्हारे चक्कर काटेंगे फिर तो पांच साल इनको ढूंढते ही रहना। अभी तो डेढ़ महीने तक रोज ही एंटरटेनमेंट होगा उसके मजे लो बस, क्यों ज्यादा दिमाग लगा रहे हो।" अब तक चुपचाप बहस के मजे ले रहे टी-स्टॉल चलाने वाले अंकल ने भी बहस खत्म करने के इरादे से कहा-"थोड़ा सब्र करो, सब सामने आ जाएगा। सुना नहीं क्या, नाई - नाई कितने बाल, ठहरो जजमान अभी सामने आ रहे हैं।" फिर नए ठहाकों के साथ बात खत्म हुई।

■नरेन्द्र शर्मा

पॉली क्लिक्स

राज्यसभा सांसद को आमतौर पर 'पब्लिक लीडर' नहीं माना जाता, लेकिन डॉ. किरोड़ीलाल मीणा इसके अपवाद रहे। वे राज्यसभा में जाने के बाद भी जनता से दूर नहीं हुए और कई आंदोलनों का मुख्य चेहरा रहे। इसी अपील के चलते भाजपा की पहली ही सूची में 72 साल के मीणा को टिकट दिया गया है। फोटो हाल ही जयपुर के एक प्रदर्शन का।

पॉली टून

चुनावी इतिहास के झरोखे से

भैरोंसिंह ने विरोधी उम्मीदवार छाबड़ा के स्कूटर पर घूम कर किया था प्रचार

■ गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार
gulabbatra@gmail.com

एक देश एक चुनाव का मसला कोई नया नहीं है। समय समय पर इस बारे में चर्चा होती रही है। राजस्थान की जनता को याद होगा कि भाजपा के दिग्गज नेता भैरों सिंह शेखावत ने उपराष्ट्रपति पद पर आसीन रहते हुए इसकी जोरदार वकालत की थी। संयोग देखिए कि खुद उन्होंने एक देश-एक चुनाव की तर्ज पर देश में होने वाले आम चुनाव के अन्तर्गत आज से 56 साल पहले विधायक पद के लिए आखिरी चुनाव लड़ा था। परंतु आप चौंकिए मत। इस चुनावी इतिहास के उलट वह बाद के 31 वर्षों में भी विधायक पद का चुनाव लड़ते रहे- इसका किस्सा भी सुनें।

स्वाधीनता प्राप्ति के बाद वर्ष 1952 से संसदीय शासन प्रणाली के लिए केन्द्र और राज्यों में आम चुनाव के रूप में लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की परम्परा शुरू हुई। वर्ष 1952 में पहले, 1957 में दूसरे, 1962 में तीसरे और 1967 में चौथे आम चुनाव एक साथ हुए। स्वाधीनता के पश्चात से केन्द्र और राज्यों में कांग्रेस का एकछत्र राज था। लेकिन 1967 में कुछ राज्यों में विपक्षी दलों ने मिलकर सरकारें बनाईं । इधर 1969 में कांग्रेस में विभाजन, बैंक राष्ट्रीयकरण 1971 में भारत पाक युद्ध के पश्चात एक साथ लोकसभा-विधानसभा चुनाव का क्रम टूट गया।

तत्कालीन जनसंघ नेता भैरोंसिंह शेखावत ने सीकर जिले के दांतारामगढ़-श्रीमाधोपुर से दो चुनाव जीतकर जयपुर को अपनी चुनावी राजनीति का केन्द्र बनाया। वर्ष 1962 में किशनपोल विधानसभा क्षेत्र से शेखावत स्वतंत्र पार्टी के महेन्द्र सिंह से 6701 मतों से विजयी रहे। लेकिन 1967 के चुनाव प्रचार में दिलचस्प दृश्य देखने को मिले जब प्रतिद्वंदी प्रत्याशी स्कूटर पर एक साथ दिखाई दिए। एक राजनेता था, दूसरा पत्रकार।

तो इस किस्से की शुरुआत हुई अजीब तरह की जिद से। लोकसभा के लिए कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. राजमल कासलीवाल के चुनाव प्रचार के जिम्मेदारों में पत्रकार प्रवीण चन्द छाबड़ा भी शामिल थे। किसी बात पर उन्होंने निर्दलीय नामांकन पत्र भर दिया। जनसंघ प्रत्याशी भैरों सिंह शेखावत मैदान में थे। छाबड़ा ने उस चुनाव की धुंधली स्मृति को ताजा करते हुए बताया कि वह नाम वापस लेने गये थे लेकिन समय पर नहीं पहुंच सके। वरिष्ठ पत्रकार मिलापचंद इंडिया कहते हैं कि एक बार भैरोंसिंह छाबड़ा के स्कूटर पर बैठकर निर्वाचन क्षेत्र में घूम आए, तब लोगों ने इस नजारे का आनंद लिया। वह छाबड़ा के न्यू कॉलोनी स्थित चुनाव कार्यालय भी पहुंच गए। छाबड़ा ऊपरी मंजिल पर गए तो पीछे से भैरूं बाबा ने उनके समर्थकों को संकेत दिया कि चुनाव खर्चे की कोई जरूरत हो तो चिंता नहीं करना। चुनाव प्रचार के दौरान यह अफवाह भी फैली कि चुनाव में किसी प्रत्याशी के वोट काटने के लिए छाबड़ा को खड़ा किया गया है। बहरहाल चुनाव हो गया और शेखावत विजयी हुए। तब किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या थी 78938, इनमें 57.52 प्रतिशत अर्थात 45402 मतदाताओं ने मतदान किया।

कुल 42992 वैध मतों में से शेखावत को 23719 वोट मिले। उन्होंने कांग्रेस के रमेशचंद स्वामी को 8721 मतों से पराजित किया। इस चुनाव में प्रवीणचन्द्र को 357 वोट मिले। मतपत्र में उनका नाम पी चन्द्र दर्ज था। सीपीआई के दिग्गज नेता एच के व्यास को 195, सीपीएम के श्रीकृष्ण को 896, प्रज्ञा सोशलिस्ट पार्टी के एस नारायण को 119, निर्दलीय एके योगीराज को 710 और एम चंद को 242 वोट मिले। पर यह चुनाव यादगार बन गया।

इजराइली सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद रिश्ते हुए और खराब

जंग की आग में इजराइल- फिलिस्तीन

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र टिप्पणीकार

पश्चिम एशिया (मध्य-पूर्व) एक बार फिर जंग के मैदान में है। गाजा पट्टी पर काबिज आतंकी संगठन हमास ने जल-थल-नभ तीनों ओर से हमला बोलकर इजराइल को दहला दिया। उसने इजराइल के दक्षिणी शहरों में तकरीबन सात हजार राकेट दागे हैं, जिसमें इजराइल के तीन सौ से अधिक लोगों की जान गई है। तकरीबन दो हजार से अधिक लोग बुरी तरह घायल हुए हैं। प्रतिकार में इजराइल ने भी हमास के ठिकानों पर बम बरसाकर सैकड़ों लोगों की जान ली है। दोनों के बीच अभी भी जंग जारी है। हमास ने इजराइल के कुछ सैनिकों और नागरिकों को बंधक भी बना रखा है। उसने दावा किया है कि इजराइल द्वारा अल-अक्सा मस्जिद को अपवित्र करने का बदला ले लिया है। याद होगा गत वर्ष पहले अल-अक्सा मस्जिद कंपाउंड में इजराइली पुलिस और फिलिस्तीनियों के बीच जमकर झड़प हुआ थी। उस झड़प में एक सौ से अधिक लोगों की जान गंवाई थी और करोड़ों की संपत्ति नष्ट हुई थी।

चरमपंथी संगठन हमास ने रेगिस्तान के बीच बसे शहर बीर-शिवा और एश्कलोन को निशाना बनाया और जवाब में इजराइल ने गाजा पट्टी स्थित कई महत्वपूर्ण इमारतों के साथ एसोसिएट प्रेस और अल जजीरा के कई महत्वपूर्ण इमारतों को ध्वस्त कर दिया। उस हमले में गाजा के सिटी कमांडर बसीम इस्सा मारे गए थे। फिलहाल इजराइल-हमास संघर्ष ने दुनिया को दो खेमों में बांट दिया है। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस सरीखे देश खुलकर इजराइल के साथ हैं। वहीं तुर्की, सीरिया, ईरान, सऊदी अरब और लेबनान जैसे देश हमास का समर्थन कर रहे हैं। भारत ने इजराइल पर हुए हमले की निंदा की है और कहा है कि इस कठिन समय में वह इजराइल के साथ है। अगर यह जंग थमी नहीं तो दुनिया कि शांति भंग हो सकती है। इसलिए और भी कि रूस और यूक्रेन पहले से ही युद्धरत हैं। दूसरी ओर अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बिगड़ते हालात ने अलग ही संकट खड़ा कर दिया है।

उधर, चीन ताइवान को लगातार परेशान कर रहा है। चूंकि इजराइल ने हमास के हमले को चुनौती के तौर पर लिया है, ऐसे में उसे कड़ा सबक सिखाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। मतलब साफ है कि यह जंग आसानी से थमने वाली नहीं है। अगर दोनों देशों के हालिया विवाद पर नजर दौड़ाएं तो हालात उस वक्त खराब हुए जब इजराइली सुप्रीम कोर्ट ने पूर्वी जेरुसलम के शेख जर्रा नामक स्थान से फिलिस्तीनियों के सात परिवारों को निकाले जाने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने उन घरों को खाली करने का आदेश दिया जो 1948 में इजराइल के गठन से पहले यहूदी रिलीजन एसोसिएशन के अधीन थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद फिलिस्तीनियों को निकालकर यहूदियों को बसाने की तैयारी हो रही थी। इससे फिलिस्तीनी भड़क गए। नतीजतन इजराइल के कई शहर और कस्बे दंगे की चपेट में आ गए। इन शहरों और कस्बों में अरब और यहूदियों के बीच मारकाट हुई। लोद शहर जो कि अरब और यहूदियों की मिलीजुली आबादी वाला शहर है, वहां स्थिति सबसे अधिक खराब हुई। हिंसा की वजह से इमरजेंसी लगा दी गई।

फिलहाल इजराइल ने अपना मिलिट्री ऑपरेशन तेज करने और गाजा बॉर्डर पर सैनिकों की संख्या बढ़ाने का एलान कर दिया है। इजराइल ने कहा है कि हमारी सेना के गाजा पट्टी और फिलिस्तीन में हमले तब तक बंद नहीं होंगे जब तक दुश्मन पूरी तरह शांत नहीं हो जाते हैं। गौर करें तो इजराइल और हमास के बीच मौजूदा जंग वर्ष 2014 की गर्मियों में 50 दिन तक चले युद्ध के बाद अब तक का यह सबसे बड़ी जंग है। अच्छी बात है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय दोनों पक्षों से तनाव कम करने की अपील करना शुरू कर दी है। लेकिन हालात सुधरेंगे इसमें संदेह है। ऐसा इसलिए कि दोनों पक्ष एकदूसरे का इतिहास-भूगोल बदलने पर आमादा है। दोनों के पीछे अंतर्राष्ट्रीय गोलबंदी की सच्चाई भी किसी से छिपी नहीं है।

इजराइल को अमेरिका का खुला समर्थन हासिल है, वहीं फिलिस्तीन के कट्टरपंथी संगठन हमास को सीरिया और ईरान का समर्थन हासिल है। ईरान इजराइल के खिलाफ हमास की खुलकर मदद करता है। हमास का अन्य आतंकी संगठनों से भी मिलीभगत है। उसकी मंशा विश्व में इस्लाम का परचम लहराना और इजराइल को नेस्तनाबूंद करना है। अमेरिका ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम और मौजूदा तनाव को लेकर पहले से ही भड़का हुआ है। ऐसे में वह नहीं चाहता है कि हमास फिलिस्तीन में मजबूत और इजराइल कमजोर हो। गौरतलब है कि हमास फिलिस्तीनी सुन्नी मुसलमानों की एक सशस्त्र संस्था है जो फिलिस्तीनी राष्ट्रीय प्राधिकरण की मुख्य पार्टी है। इसका गठन 1987 में मिस्र और फिलिस्तीन के मुसलमानों ने किया था। इसके सशस्त्र विभाग का गठन 1992 में हुआ। इसका उद्देश्य इजराइली प्रशासन के स्थान पर इस्लामिक शासन की स्थापना करना है। गाजा पट्टी क्षेत्र में इसका विशेष प्रभाव है। गाजा पट्टी इजराइल के दक्षिण-पश्चिम में स्थित तकरीबन 6-10 किमी चैड़ी और 45 किमी लंबा क्षेत्र है। इसके तीन ओर इजराइल का नियंत्रण है और दक्षिण में मिस्र है। यहां की आबादी तकरीबन 15 लाख के आसपास है।

पश्चिम एशिया के संकट को समझने के लिए इजराइल और फिलिस्तीन के इतिहास में झांकना जरुरी है। पश्चिम एशिया में स्थित इजराइल तीन ओर से अरब राज्यों से घिरा हुआ है। 29 नवंबर 1947 को संयुक्त राष्ट्र संघ ने फिलिस्तीन का विभाजन करके एक भाग ज्यूज यानी यहूदियों को तथा दूसरा भाग अरबों को दे दिया। 15 मई, 1948 को यहूदियों ने अपने हिस्से को इजराइल नाम दिया। इजराइल का क्षेत्रफल तकरीबन 21946 वर्ग किमी तथा आबादी तकरीबन 70 लाख के आसपास है। इजराइलियों ने कठिन परिश्रम से अपने छोटे भू-भाग रेगिस्तान को हरा-भरा कर दिया। फिलिस्तीन पर नजर डालें तो यह भूमध्य सागर के पूर्वी तट पर स्थित ऐतिहासिक राज्य था जिसकी राजधानी जेरुसलम थी। यह विश्व के महान ऐतिहासिक स्थलों में से एक और यहूदी तथा ईसाई धर्मों का जन्म स्थान है। 1930 के दशक में जर्मनी में नाजी अत्याचारों के कारण भारी संख्या में यहूदी शरणार्थी यहां आकर बसे। इससे यहूदियों और अरबों में शत्रुता बढ़ गई। वह शत्रुता अब विकराल रुप धारण कर चुकी है। गौरतलब है कि इजराइल के अस्तित्व को अरब जगत स्वीकार नहीं करता है। उनका मानना है कि यहूदियों ने उनकी जमीन पर कब्जा कर उन्हें बेदखल कर दिया। अरब जगत इजराइल को एक खंजर की तरह मानता है जो अरब जगत को काटकर टुकड़ों में विभक्त कर दिया है।

बता दें कि इजराइल राज्य की स्थापना के साथ ही अरब-इजराइल युद्ध शुरू हो गए और इजराइल में रहने वाले तकरीबन 7 लाख अरब नागरिक भागकर पड़ोसी राज्यों में शरण लिए। तब 1948 में इजराइल में बसे अरबों के लिए अर्मिस्टाइस रेखा का निर्धारण हुआ जिसके तहत गाजा पट्टी में अरब जो सुन्नी मुस्लिम हैं, रहना सुनिश्चित हुआ, लेकिन 1948 से लेकर 1967 तक इस पर मिस्र का अधिकार रहा। 1967 की छः दिन की लड़ाई में इजराइल ने अरबों को निर्णायक रुप से पराजित कर इस पट्टी पर अपना अधिकार जमा लिया। किंतु 38 वर्ष बाद 2005 में इजराइल ने फिलिस्तीनी स्वतंत्रता संस्था के साथ हुए समझौते के तहत गाजा पट्टी से बाहर हटने का निर्णय लिया और साथ ही उसने गाजा पट्टी और पश्चिमी तट पर स्थित यहूदी बस्तियों को हटाने का भी फैसला लिया। लेकिन स्थिति तब बिगड़ गई जब चरमपंथी संगठन हमास ने 2006 में फिलिस्तीनी संसद के चुनावों में कुल 132 सीटों में 76 सीटें कब्जा ली और इजराइल को मान्यता देने से इंकार कर दिया। हमास ने उसने 2008 में संघर्ष विराम के बाद भी गाजा पट्टी से इजराइल के दक्षिणी हिस्से पर हमला बोलना शुरू कर दिया था। दरअसल हमास का मकसद इजराइल को समाप्त करना है। गौर करें तो मौजूदा संघर्ष के लिए भी सर्वाधिक रूप से हमास ही जिम्मेदार है। सच कहें तो हमास की कट्टरपंथी जेहादी सोच ने ही पश्चिम एशिया यानी मध्य-पूर्व की नियति में जहर घोल दिया है। कभी वह अरब राष्ट्रों के अन्तर्कलह से आक्रांत दिखता है तो कभी लेबनान का गृहयुद्ध उसकी शांति को ग्रहण लगा देता है। कभी इराक-ईरान संघर्ष और खाड़ी युद्ध से भूमध्यसागरीय तट थर्रा उठता है तो कभी इजराइल-फलस्तीन का संघर्ष सर्वनाश का मंजर परोसता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> *दरअसल हमास का मकसद इजराइल को समाप्त करना है। गौर करें तो मौजूदा संघर्ष के लिए भी सर्वाधिक रूप से हमास ही जिम्मेदार है। सच कहें तो हमास की कट्टरपंथी जेहादी सोच ने ही पश्चिम एशिया यानी मध्य-पूर्व की नियति में जहर घोल दिया है। कभी वह अरब राष्ट्रों के अन्तर्कलह से आक्रांत दिखता है तो कभी लेबनान का गृहयुद्ध उसकी शांति को ग्रहण लगा देता है। कभी इराक-ईरान संघर्ष और खाड़ी युद्ध से भूमध्यसागरीय तट थर्रा उठता है तो कभी इजराइल-फलस्तीन का संघर्ष सर्वनाश का मंजर परोसता है।*

> *गौर करें तो इजराइल और हमास के बीच मौजूदा जंग वर्ष 2014 की गर्मियों में 50 दिन तक चले युद्ध के बाद अब तक का यह सबसे बड़ी जंग है। अच्छी बात है कि अंतराष्ट्रीय समुदाय दोनों पक्षों से तनाव कम करने की अपील करना शुरू कर दी है, लेकिन हालात सुधरेंगे इसमें संदेह है। ऐसा इसलिए कि दोनों पक्ष एक-दूसरे का इतिहास-भूगोल बदलने पर आमादा है। दोनों के पीछे अंतराष्ट्रीय गोलबंदी की सच्चाई भी किसी से छिपी नहीं है। इजराइल को अमेरिका का खुला समर्थन हासिल है, वहीं फिलिस्तीन के कट्टरपंथी संगठन हमास को सीरिया और ईरान का समर्थन हासिल है। ईरान इजराइल के खिलाफ हमास की खुलकर मदद करता है।*

व्यंग्य

राजनीति के रंग-ढंग कुछ ऐसे भी

राजेंद्र बज
व्यंग्यकार

कोई शीर्ष नेतृत्व के आभामंडल से प्रभावित होकर मतदान करता है, तो कोई परिवार विशेष की राजनीतिक उपलब्धियों पर मोहित होकर अपनी उंगलियों को हरकत में लाता है। हर किसी का अपना एक विशिष्ट नजरिया हुआ करता है। जिस आधार पर आमतौर पर मतदान की प्रक्रिया पूर्ण हुआ करती है। खैर! हर एक इलाके में अनेक शख्सियत हाथ- मुंह धोकर मांजा सूते बैठी हुई है।

राजनीति के खुले आसमान में हर एक दावेदार अपनी-अपनी पतंग उड़ा रहा है। पतंग उड़ाना एक बारगी आसान हो सकता है, लेकिन दूसरों की पतंग को काटते हुए अपनी पतंग को उड़ाते रहना ही उन्हें राजनीति के काबिल बनता है। अन्यथा हर एक दल में अनेक लोग ऐसे लोग होते हैं - जो अधिक से अधिक "हैलो माइक टेस्टिंग हैलो" से आगे नहीं बढ़ पाते। कुछ एक तो भैया के खास होने के नाते अपने अंतर्मन में असीम आनंद की दिव्य अनुभूति से दो-चार हुआ करते हैं।

वैसे कुछ समर्थक ऐसे भी होते हैं जो अपनी पसंद के नेता के बढ़ते दर्जे के चलते इतने आनंदित और उत्साहित हो बैठते हैं कि जमा-जमाया रोजगार का साधन अस्त व्यस्त हो जाता है। वह तो अच्छा है कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से राजनीति में रोजगार की अपार संभावनाएं सन्निहित हैं। राजनीति में तो देखते ही देखते जाने कैसे-कैसे लोग जाने कहां-कहां तक पहुंच गए हैं!, इसका ठोस अंदाजा लगाना भी किसी के लिए आसान नहीं है। वह जमाना तो जाने कब का बीत गया जब राजनीति घर फूंक तमाशा हुआ करती थी।

आज के सितारे राजनीतिक दलों की तो यह स्थिति थी कि उन्हें चुनाव में लड़ने वाले उम्मीदवार तक की तलाश रहा करती थी। ऐसे में मतदाताओं के समर्थन की आस करना तो सर्वथा बेमानी था, लेकिन कल के सितारे आज अस्ताचल की ओर हैं और देखते ही देखते पिछली सीट वाले अगली सीट पर आकर देश-प्रदेश का स्टेरिंग हाथों में थामने लगे हैं। सचमुच किसी का समय कब बदल जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। आजकल तो गारंटी इस बात की भी नहीं है कि कल तक जो किसी के प्रति जिंदाबाद! जिंदाबाद! चिल्लाता रहा हो, वह आने वाले दौर में उसके प्रति मुर्दाबाद मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। एक प्रकार से राजनीति अनिश्चितताओं का खेल है। देखते ही देखते इधर वाला उधर चला जाता है या उधर वाला इधर चला आता है। वैसे आजकल तो लाख खोद-खोदकर पूछने से भी दूसरों की तो क्या कहें, घरवाली ही हमें नहीं बताती कि उसने किसके पक्ष में मतदान किया है? बीते जमाने में परिवार के परिवार किसी प्रत्याशी विशेष के पक्ष में मतदान किया करते थे। अब ऐसा नहीं होता।

अब यह अलग बात है कि हर कोई अपने चेतन तथा अवचेतन मन में इस धारणा के साथ दिखना चाहता है कि उसने उसी के पक्ष में मतदान किया है जो उसके क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहा है। सीधी-सी बात है, जिधर दम उधर हम। इन दिनों गांव की चौपाल से लेकर राजधानी के क्लब हाउस तक में इसी बात की चर्चा है कि किस आका के कितने बंदों को कहां-कहां की टिकट दी जाती है? नागरिकों का वह वर्ग जो राजनीति से सर्वथा परहेज किया करता है, वह भी ऐसे राजनीतिक क्रिकेट का स्कोर जानने की मंशा रखता है। दरअसल जब चुनावी ढोल बजने लगते हैं तब जो नहीं नाचते वह भी मन ही मन नाचने के लिए आकुल-व्याकुल हो जाते हैं। इनके अंतर्मन में ढोलक की हर एक थाप पर कदम थिरकने लगा करते हैं।

X

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता
@RahulGandhi
भारतीय रेलवे और सरकार ने मेरे कुली भाइयों की आवाज सुनी, ये देख कर अच्छा लगा।

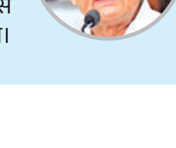

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री
@ashokgehlot51
प्रिय राजस्थानवासियों, आज चुनाव की घोषणा हो चुकी है। आपके आर्शीवाद से हमें 5 वर्ष जनसेवा का मौका मिला।

वसुंधरा राजे, पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान
@VasundharaBJP
प्रिय प्रदेशवासियों ! चुनावों का ऐलान हो चुका है। आओ! फिर से आपके और हमारे सपनों का राजस्थान बनाने के लिए भाजपा को चुनें, जो सब की सुने। आओ फिर से साथ चलें!

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
कल जो हुआ, उसे आप बदल नहीं सकते. आज क्या हो रहा है, आप सिर्फ अनुभव ही कर सकते हैं. कल क्या है, तुम्हें बनाना होगा।

गौर गोपाल दास, आध्यात्मिक गुरु
@gaurgopald
खुशी इस बारे में है कि हम कैसे जीना, प्यार करना और जाने देना चुनते हैं! यह इस बारे में है कि हम जीवन की छोटी और सरल खुशियों में कितने मौजूद हैं।

नॉलेज कॉर्नर: विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस आज

इस बार रहेगी 'हमारा मन, हमारे अधिकार' थीम

विश्व में मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाने का उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयास जुटाना है। इस दिन मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर काम करने वाले अपने काम के बारे में बात करने का अवसर प्रदान करता है और दुनिया भर के लोगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को वास्तविकता बनाने के लिए और क्या करने की आवश्यकता है, इसके बारे में बात करने का अवसर प्रदान करता है। मानसिक सेहत के प्रति जागरुकता बढ़ाने के मकसद से पूरी दुनिया 10 अक्टूबर का दिन वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के रूप में मनाती है। अधिक जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

1992 में हुई थी शुरुआत

संयुक्त राष्ट्र संघ ने साल 1992 में विश्व मानसिक सेहत दिवस (World Mental Health Day) मनाने की शुरुआत की थी। विश्व स्तर पर इस दिन को मनाए जाने का मकसद लोगों को मानसिक सेहत के प्रति जागरूक करना है। इसे हर साल एक थीम के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2023 लोगों और समुदायों के लिए 'मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है' विषय पर मनाया जाएगा। कोरोना महामारी के बाद से तो मानसिक रोगों से जूझ रहे लोगों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ी है। इस रोग से बच्चे भी इससे अछूते नहीं हैं। यूनिसेफ की 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में तकरीबन 14 फीसदी बच्चे भी अवसाद में जी रहे हैं। तो इस दिन को इतने बड़े स्तर पर मनाने का सिर्फ और सिर्फ उद्देश्य लोगों के बीच मानसिक सेहत के प्रति जागरूकता फैलाना है।

विशेष महत्व

हर साल 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाने के पीछे लोगों को मानसिक सेहत के बारे में जागरूक किया जाता हैं। वर्तमान में हजारों लोग हर साल अवसाद के रोगी बन रहे हैं। फिजिकल और मेंटल हेल्थ एक ही सिक्के के दो पहलू की तरह हैं। किसी भी एक पहलू को नजरअंदाज करना दूसरे पहलू को नकारात्मक तरीके से प्रभावित करता है। इसलिए हर साल डब्ल्यूएचओ अलग-अलग थीम पर मानसिक दिवस मनाकर लोगों को अवेयर करता है।

ऐसे मनाते हैं वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे

दुनियाभर में मेंटल हेल्थ को लेकर कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और उनमें लोगों को मानसिक और शारीरिक रूप से सेहतमंद रहने के तरीके बताए जाते हैं। साथ ही तनाव में जी रहे लोगों की समस्याओं को जानने का प्रयास किया जाता है और उन्हें सही राह दिखाने का प्रयास किया जाता है। **कंटेंट: सुप्रिया सरकार**

छत्तीसगढ़: भाजपा प्रत्याशियों की दूसरी सूची में 64 उम्मीदवारों के नाम

पूर्व सीएम रमन सिंह व प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव भी चुनाव मैदान में

एजेंसी | रायपुर

छत्तीसगढ़ की कुल 90 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में 7और 17 नवंबर को मतदान होगा। राज्य के नक्सल प्रभावित कुछ क्षेत्रों में पहले चरण में 7 नवंबर को 20 सीटों पर मतदान होगा। दूसरे चरण में 17 नवंबर को 70 सीटों पर मतदान होगा। राज्य विधानसभा चुनाव के पहले चरण लिए 13 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी तथा 20 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। राज्य के लिए मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी करदी जिसमें 64 प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। इससे पहले पार्टी ने 21 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे। पार्टी 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए अब तक 85 प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। दूसरी सूची में भाजपा ने केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह समेत 3 सासंदों को टिकट दिया है। रेणुका सिंह छत्तीसगढ़ की इकलौती सांसद हैं जिन्हे मोदी कैबिनेट में जगह मिली है। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव को लोरमी और पूर्व सीएम रमन सिंह को राजनांदगांव सीट से चुनाव मैदान में उतारा गया है। सूची में दो पूर्व आईएएस और नौ महिलाएं शामिल हैं। दूसरी सूची में अनुसूचित जनजाति के 19 और अनुसूचित जाति के 9 प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं।

■ केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह समेत तीन सांसदों को टिकट

चुनाव कार्यक्रम

- राज्य में दो चरण में होगा मतदान
- पहले चरण में नक्सली प्रभावित क्षेत्र की 20 सीटों पर मतदान
- दूसरे चरण में राज्य की शेष 70 सीटों पर होगा मतदान

प्रथम चरण

- 13अक्टूबर को जारी होगी अधिसूचना
- 21 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच
- 23 अक्टूबर नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि

दूसरा चरण

- 21 अक्टूबर को जारी होगी अिधसूचना
- 30 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि
- 31 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच
- 2 नवंबर नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि

किन सांसदों को मिला टिकट

भाजपा ने जिन सांसदों को उम्मीदवार बनाया है, उनमें से भरतपुर सोनहत विधानसभा सीट से रेणुका सिंह, पत्थलगांव सीट से गोमती साय, लोरमी विधानसभा सीट से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव को प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी विजय बघेल को पाटन सीट से पहली सूची में ही प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। कलेक्टर की नौकरी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए ओपी चौधरी को रायगढ़ से प्रत्याशी बनाया गया है।

महिला मतदाता होंगी निर्णायक

छत्तीसगढ़ में 2018 विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस साल 2023 विधानसभा चुनाव में पुरूष मतदाताओं के मुकाबले महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ गई है। यानि कि इस बार महिलाएं चुनाव में निर्णायक भूमिका में होंगी। जिससे यह माना जा रहा है कि अबकि बार महिलाएं ही तय करेंगी कि स्थानीय विधायक कौन होगा। निर्वाचन आयोग की तरफ से जारी की गई फाइनल लिस्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में दो करोड़ तीन लाख 60 हजार 240 मतदाता नई सरकार तय करेंगे। इनमें से एक करोड़ एक लाख 20 हजार 830 पुरूष मतदाता हैं, जबकि एक करोड़ दो लाख 39 हजार 410 महिला मतदाता और 790 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल है।

TMC नेताओं का दल राज्यपाल से मिला, धरना खत्म

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस से मिला। इस दौरान राज्यपाल ने उन्हें मनरेगा बकाए का मुद्दा केंद्र के सामने उठाने का आश्वासन दिया। राज्यपाल बोस के साथ हुई मुलाकात के बाद तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन वापस लेने की घोषणा की है। उन्होंने कहा, राज्यपाल बोस ने 24 घंटे में हमारे सवालों का जवाब देने का वादा किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य वरिष्ठ नेताओं की सलाह के अनुसार हम पश्चिम बंगाल के लिए मनरेगा और अन्य सोशल सिक्योरिटी स्कीम के लिए फंड आवंटन पर केंद्र सरकार के खिलाफ जारी विरोध को वापस ले रहे हैं। बनर्जी ने कहा, मैं केंद्र सरकार को 31 अक्टूबर का अल्टीमेटम दे रहा हूं।

उमर ने पूछा- जम्मू कश्मीर में चुनाव कब होंगे

जम्मू। पांच राज्यों के लिए विधानसभा चुनाव की घोषणा के बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने चुनाव आयोग से पूछा है कि जम्मू-कश्मीर में चुनावों की घोषणा कब की जाएगी। उमर अब्दुल्ला ने बातचीत में निर्वाचन आयोग से सवाल किया कि आखिर जम्मू-कश्मीर में चुनाव कब होंगे? उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमें बताएं कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव नहीं कराने के कारण क्या हैं? वहां चुनाव नहीं कराने के पीछे की खास वजह बताई जाए।

दिल्ली के सीएम केजरीवाल की घोषणा...

राजस्थान, छत्तीसगढ़ व MP में लड़ेंगे चुनाव

एजेंसी | नई दिल्ली

पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

केजरीवाल ने सोमवार को कहा, हम राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। जब यह पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के हिस्से रूप में चुनाव लड़ेगी तो उन्होंने कहा,जो भी होगा बता दिया जाएगा। केजरीवाल की इस घोषणा से विपक्षी गठबंधन इंडिया की ओर से साझा प्रत्याशी खड़े किए जाने की संभावना कम हो गई है।

दूसरी ओर आप नेता संदीप पाठक ने कहा कि पार्टी पूरी तरह से तैयार है। पार्टी पांचों राज्यों में गठबंधन की बजाय अलग-अलग ही लड़ेगी। इस बीच, चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही भाजपा और कांग्रेस सहित कई दलों ने अपनी अपनी जीत के दावे किए हैं। चुनाव वाले राज्यों में तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति, मध्य प्रदेश में भाजपा, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस तथा मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट सत्ता में है।

पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएंगे: जेपी नड्डा

दूसरी ओर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दावा किया कि चुनाव वाले राज्यों में उनकी पार्टी की पूर्ण बहुमत से सरकार बनेगी। उन्होंने एक्स पर लिखा, चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनावों की घोषणा का स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से सभी राज्यों में सरकार बनाएगी और आगामी 5 वर्षों के लिए जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबध भाव से काम करेगी।

भाजपा व उसके साथियों की विदाई का उद्घोष: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तारीखों का ऐलान होते ही दावा किया कि उनकी पार्टी जीतेगी। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 5 राज्यों के चुनावों की घोषणा के साथ भाजपा और उसके साथियों की विदाई का भी उद्घोष हो गया है। उन्होंने आगे कहा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में कांग्रेस पार्टी मजबूती के साथ जनता के पास जाएगी। जन-कल्याण, सामाजिक न्याय और प्रगतिशील विकास ही कांग्रेस पार्टी की गारन्टी है।

यह बोले चुनावी राज्यों के सीएम व अन्य नेता

हम हैं तैयार और जीतेंगे: बघेल

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघले ने कहा कहा, हैं तैयार हम! शुरू हो चुका है युद्ध माटी के अभिमान का नहीं रूकेगा अब ये रथ छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान का नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने के संकल्प के साथ हर एक छत्तीसगढ़िया तैयार है, एक बार फिर भरोसे के हाथ जुड़ेंगे- भरोसा बरकरार फिर से कांग्रेस सरकार।

इस बार दीवाली कमल के साथ: शिवराज

मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने दावा कि लोग उनके साथ हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, चुनाव की तारीख की घोषणा हो चुकी है। प्रदेश की जनता का प्यार भाजपा को लगातार मिलता रहा है, एक बार फिर विकास की रफ्तार को बनाए रखना है। डबल इंजन की सरकार पर मध्य प्रदेश को भरोसा है। प्रदेश का मतदाता जानता है कि मध्य प्रदेश को विकास की राह पर कमल का साथ ही ले जा सकता है तो इस बार की दिवाली कमल वाली।

एक बार फिर केसीआर: कविता

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी और भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता ने कहा कि हमारी सरकार फिर से बन रही है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, एक बार फिर हम तेलंगाना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए तैयार हैं। कविता ने आगे लिखा कि केसीआर एक बार फिर से।

तेलंगाना: त्रिकोणीय संघर्ष के आसार

एआईएमआईएम खुलकर बीआएस के समर्थन में आया

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना के लिए विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी खुलकर सत्तारूढ़ पार्टी भारत राष्ट्र समित के समर्थन में आ गए हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव एक बार फिर तेलंगाना की सत्ता में लौटेंगे। तेलंगाना में 30 नवंबर के एक चरण में ही मतदान होगा। तेलंगाना सरकार का मौजूदा कार्यकाल जनवरी 2024 में समाप्त हो रहा है।

राज्य में इस बार भी बीआरएस, कांग्रेस और बीजेपी के बीच मुकाबला माना जा रहा है। बीआएस और ओवैसी की पार्टी के बीच चुनावी सहयोग है। बीआरएस एआईएमआईएम के लिए कुछ सीटें छोड़ सकती है।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव पार्टियों के लिए अहम इस मायने से भी है क्योंकि यह लोकसभा चुनाव 2024 की तस्वीर भी साफ करेगा कि इस दक्षिणी राज्य में भाजपा और कांग्रेस अपने आप को कितना मजबूत कर पाती हैं। आंध्र प्रदेश से अलग होकर जब नया राज्य तेलंगाना बना तब यहां पहली बार 2014 में चुनाव हुए।

नए राज्य में पहली सरकार बनाने के लिए तेलंगाना राष्ट्र समित (बीआरएस) ने 63 सीटें हासिल की थीं। पार्टी ने 2018 में सत्ता बरकरार रखी, बल्कि 119 सदस्यीय विधानसभा में अपनी सीटों की संख्या बढ़ाकर 88 कर ली। वर्तमान सरकार के पास तेलंगाना की 119 विधानसभा सीटों में से 87 विधानसभा सीटें हैं।

2018 में यह रहे थे परिणाम

तेलंगाना विधानसभा चुनाव 2018 कांग्रेस ने महज 19 सीटों पर ही जीत दर्ज की थी। वहीं असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम को 7 सीटें मिली थीं। बीजेपी को तेलंगाना में महज 1 विधानसभा सीट हासिल हुई थी। तेलुगू देशम पार्टी ने 2 सीटें जीती थीं। लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा मजबूत होकर उभरी और पार्टी इस बार विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद लगाए बैठी है।

चुनाव कार्यक्रम एक नजर में

- 3 नवंबर को जारी होगी अधिसूचना
- 10 नवंबर नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि
- 13 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच
- 15 नवंबर नाम वापसी की अंतिम तिथि

मिजोरम: एमएनएफ की है सरकार

आइजोल। मिजोरम विधानसभा के लिए 7 नवंबर को मतदान होगा। 2018 में राज्य विधानसभा के लिए हुए चुनाव में 10 साल से सत्ता पर बैठी कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था। यहां मिजो नेशनल फ्रंट ने सरकार बनाई और जोरामथंगा मुख्यमंत्री बनें। तब मिजो नेशनल फ्रंट ने 26 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस ने पांच सीटों पर जीत दर्ज की थी। इसके अलावा जोरम पीपुल्स मूवमेंट 8 सीटों पर और भाजपा 1 सीट पर जीती थी।

चुनाव कार्यक्रम एक नजर में

- 13 अक्टूबर को जारी होगी अधिसूचना
- 20 अक्टूबर नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख
- 21अक्टूबर को होगी नामांकन पत्रों की जांच
- 23 अक्टूबर नाम वापसी की अंतिम तिथि

मध्य प्रदेश: भाजपा की चौथी सूची में 57 प्रत्याशियों के नाम, अब तक 136 उम्मीदवार घोषित

CM शिवराज को बुदनी से टिकट, सिंधिया समर्थक मंत्री भी मैदान में

एजेंसी | ग्वालियर

मध्यप्रदेश के लिए विधानसभा चुनाव तिथि की घोषणा के कुछ घंटों बाद ही भाजपा ने विधानसभा प्रत्याशियों की चौथी सूची भी जारी कर दी। इसमें 57 प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। इसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत 25 मंत्रियों और मौजूदा विधायकों के नाम शामिल हैं।

भाजपा इससे पहले 79 नाम घोषित कर चुकी है। अब तक पार्टी राज्य के लिए 136 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर चुकी है। 94 सीटों के नाम अभी भी बाकी हैं। पार्टी ने ग्वालियर- चंबल संभाग से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक नेताओं को टिकट देकर भरोसा जताया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को बुदनी से दोबारा टिकट दिया है। चौहान की कैबिनेट में 34 मंत्री हैं। सीएम चौहान के करीबी मंत्रियों को भी टिकट दे दिया गया है। इससे लगता है कि चौहान के नेतृत्व में ही चुनाव होने जा रहा है। पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी कि चौहान को चुनाव नहीं लड़ाया जाएगा।

चुनाव कार्यक्रम

- 21 अक्टूबर को जारी होगी अधिसूचना
- 30 अक्टूबर नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि
- 31 अक्टूबर को होगी नामांकन पत्रों की जांच
- 2 नवंबर नाम वापसी की अंतिम तिथि
- 17 नवंबर को मतदान

इन मंत्रियों को मैदान में उतारा

शिवराज सरकार के जिन मंत्रियों को टिकट देकर मैदान में उतार दिया गया है, उनमें डॉक्टर प्रभु राम चौधरी, गोपाल भार्गव, कमल पटेल, भूपेंद्र सिंह, गोविंद सिंह राजपूत, मोहन यादव, तुलसीराम सिलावट, राजेंद्र शुक्ला, नरोत्तम मिश्रा, प्रद्युम्न सिंह तोमर, बृजेंद्र प्रताप सिंह, विश्वास सारंग सहित कई बड़े नाम शामिल है।

सिंधिया समर्थक पांच मंत्रियों को टिकट

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने समर्थकों को टिकट दिलाने में सफल रहे हैं। इसमें सांवेर से तुलसीराम सिलावट, बदनावर से राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, ग्वालियर से प्रद्धुमन सिंह तोमर, सुरखी से गोविंद सिंह राजपूत और सांची से प्रभुराम चौधरी शामिल हैं। राजपूत ने 2018 में कांग्रेस से चुनाव लड़ा था और उन्होंने भाजपा प्रत्याशी सुधीर यादव को हराया था। राजपूत कमलनाथ की 15 महीने की सरकार में भी मंत्री थे। पार्टी ने ग्वालियर में अभी तक 6 सीटों में से 4 के प्रत्याशी घोषित कर दिए है। जिनमें से तीन सीटों पर सिंधिया के समर्थकों टिकट दिया गया है।

एक चरण में मतदान से नहीं मिलेगा रणनीति में बदलाव का मौका

मध्य प्रदेश की 230 सीटों के लिए 17 नवंबर को मतदान होगा। यहां सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 116 सीटें हैं। राज्य में कुल 230 विधानसभा सीटों में से 35 सीटें एससी के लिए और 47 सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं। एक ही तारीख में चुनाव होने से सभी राजनीतिक पार्टियों को एक ही बार में अपनी पूरी ताकत झोंकनी होगी। पहले की तरह विभिन्न चरणों में चुनाव होने से विभिन्न राजनीतिक दलों को अपनी रणनीति बदलने में आसानी होती थी। दलों को फीडबैक से संकेत मिल जाते थे कि आरंभिक चरण में उनका प्रदर्शन कैसा रहा। यदि पहले चरण के चुनाव में कमजोर प्रदर्शन रहता था तो पार्टी इसकी भरपाई दूसरे व अन्य चरण में करने की कोशिश करती थी। लेकिन एक ही चरण के चलते अब ऐसा मौका नहीं मिलेगा।

कैलाश ने की शिवराज सरकार की तारीफ

इंदौर। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और इंदौर-1 विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार कैलाश विजयवर्गीय ने प्रदेश सरकार की तारीफ करते हुए कहा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अच्छे तरीक से सरकार चलाई है। उनकी बनाई योजना का दूसरे राज्यों ने भी अनुसरण किया है. जिसमें कई कांग्रेस राज्य भी शामिल हैं। भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट करने संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता ही मुख्यमंत्री बनेगा। चुनाव अभियान लिए कम समय मिलने के सवाल पर कहा कि हम हमेशा जनता के बीच रहते हैं।

जरूरी खबर

नायडू को झटका जमानत याचिकाएं हाई कोर्ट में खारिज

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अलग-अलग मामलों में दायर तीन जमानत याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। नायडू ने अमरावती इनर रिंग रोड और अंगल्लू हमला मामलों में जमानत और 'फाइबर नेट' मामले में अग्रिम जमानत का अनुरोध करते हुए अदालत का रुख किया था। अमरावती इनर रिंग रोड मामला नायडू के शासन के दौरान राजधानी शहर अमरावती के मास्टर प्लान में कथित रूप से 'हेरफेर' करने और कई कंपनियों को कथित तौर पर अनुचित रूप से लाभ की पेशकश करने से संबंधित है। अंगल्लू मामला अगस्त में नायडू की ओर से निकाली गई एक राजनीतिक रैली के दौरान हुए दंगों से जुड़ा है।

राकांपा विधायक की समर्थन वापस लेने की चेतावनी

रांची। झारखंड में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के एकमात्र विधायक कमलेश सिंह ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर 31 अक्टूबर तक पलामू जिले के एक उपमंडल हुसैनाबाद को अलग जिला नहीं बनाया गया तो वह हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लेंगे। हुसैनाबाद से विधायक सिंह ने यहां पत्रकारों से कहा, पार्टी ने 2020 में झारखंड में सोरेन सरकार को इस शर्त पर समर्थन दिया था कि हुसैनाबाद को एक जिला बनाया जाएगा, लेकिन यह शर्त अब तक पूरी नहीं की गई है।

फैजल मामले में केरल हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व सांसद मोहम्मद फैजल को हत्या की कोशिश मामले में बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। निचली अदालत से 10 महीने पहले मिली सजा के कारण फैजल की सांसदी पर सवालिया निशान लगे हैं, लेकिन अब कोर्ट से मिली राहत के बाद उनका लोक सभा सांसद का दर्जा दोबारा बहाल हो सकता है। केरल हाईकोर्ट ने फैजल की सजा को निलंबित करने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी थी। गौरतलब है कि केरल उच्च न्यायालय के 3 अक्टूबर के आदेश के बाद अगले ही दिन फैजल को लोकसभा सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

विचार-विमर्श

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में शामिल हुए।

ईवीएम मामले में विचार करने से SC का इनकार

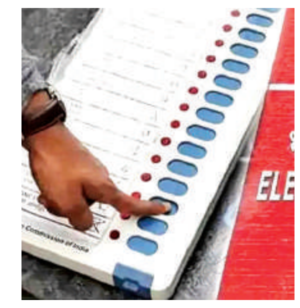

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ दायर अर्जी पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और 'वीवीपैट' की 'प्रथम स्तर की जांच' करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी गई थी। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कांग्रेस की दिल्ली इकाई के पूर्व अध्यक्ष एवं याचिकाकर्ता अनिल कुमार की ओर से पेश हुए वकील से कहा, अब इसमें हमारे शामिल होने से चुनाव कार्यक्रम में पूरी तरह से देरी होगी। हम हस्तक्षेप नहीं करना चाहते हैं।

भारत- तंजानिया के रिश्तों का नया दौरा: पीएम मोदी ने कहा...

दोनों देशों में अब रणनीतिक साझेदारी, बनेगा रोडमैप

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और तंजानिया के बीच रिश्तों का नया दौर शुरू हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और और तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन के बीच सोमवार को हुई बातचीत में दोनों देश अपने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाने के लिए सहमत जताई। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए दोनों नेताओं ने इसकी घोषणा की। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में पांच साल का रोडमैप तैयार के लिए मिलकर काम करने का फैसला किया है।

एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने कहा, राष्ट्रपति सामिया सुलुहू के साथ एक उत्कृष्ट बैठक हुई। हमने भारत-तंजानिया संबंधों की पूरी श्रृंखला की समीक्षा की और अपने समय की कसौटी पर खरे उतरे संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया है। हमारी चर्चा के क्षेत्रों में व्यापार, वाणिज्य और लोगों से लोगों के बीच संबंध शामिल थे। उन्होंने कहा कि भारत और तंजानिया शिक्षा, कौशल विकास और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशने के इच्छुक हैं।

पीएम मोदी ने कहा, हम जल संसाधन, कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को और गहरा करना चाहते हैं, जहां हम वर्तमान में मिलकर काम कर रहे है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, रक्षा क्षेत्र में पांच साल का रोडमैप सैन्य प्रशिक्षण, समुद्री सहयोग, क्षमता निर्माण और रक्षा उद्योग के लिए फायदेमंद होगा। हमने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भी परस्पर सहयोग बढ़ाने का फैसला किया है।

भारत-तंजानिया के रिश्तों में ऐतिहासिक दिन

तंजानिया के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद अपने संयुक्त बयान में पीएम मोदी ने कहा, आज भारत और तंजानिया के रिश्तों में ऐतिहासिक दिन है। हम अपनी सदियों पुरानी दोस्ती को रणनीतिक साझेदारी में बदल रहे हैं। भारत और तंजानिया आपसी व्यापार और निवेश के लिए महत्वपूर्ण भागीदार हैं। दोनों पक्ष स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने के लिए एक समझौते पर काम कर रहे हैं। तंजानिया की राष्ट्रपति सुलुहु हसन ने कहा कि भारत और तंजानिया व्यापार और निवेश के मामले में आगे बढ़ रहे हैं। तंजानिया में निवेश में भारतीय निवेशकों की संख्या बढ़ रही है। परियोजनाओं का मूल्य भी बढ़ रहा है। व्यापार मात्रा पर, संख्या बढ़ रही है। हम 2022 तक की बात कर रहे हैं, हमारा आंकड़ा 3.1 बिलियन डॉलर था। इसलिए यह भारत को तंजानिया में तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार और हमारे देश में पांचवां सबसे बड़ा निवेशक बनाता है।

भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है तंजानिया

हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में तंजानिया एक महत्वपूर्ण देश है। हिंद महासागर में तंजानिया की तटीय सीमा करीब 1,424 किलोमीटर तक फैली है। इसकी सामुद्रिक सीमा रणनीतिक रूप से अहम सेशेल्स और कोमारो आइलैंड की सीमा तक फैली है। ऐसे में हिंद महासागर की सुरक्षा के लिहाज से तंजानिया बेहद अहम हो जाता है। साल 2000 से 2019 के बीच ईस्ट अफ्रीकन कम्युनिटी क्षेत्र में कई तेल और ऊर्जा के रिजर्व फील्ड की खोज हुई है। ऐसे में दुनिया के ताकतवर देशों की भी तंजानिया में दिलचस्पी बढ़ी है।

जलते हुए व्यक्ति का वीडियो वायरल

सरकार ने की CBI जांच की सिफारिश

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर में वायरल एक वीडियो में एक व्यक्ति को कथित तौर पर जलाते हुए दिखाया गया है, जिसे लेकर सोमवार को सरकार ने इस मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश करते हुए कहा कि यह मामला उस घटना से जुड़ा है, जिसमें दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया गया था। वीडियो सामने आने के बाद एक आदिवासी संगठन ने इस घटना की निंदा की है। माना जा रहा है कि जलते हुए व्यक्ति का वीडियो चार मई का है और इसी दिन भीड़ ने दो महिलाओं को नग्न कर घुमाया गया था। महिलाओं के साथ हुई इस बर्बर घटना का वीडियो जुलाई में सामने आने के बाद देशभर में आक्रोश फैल गया था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रविवार को कई यूजर्स की ओर से साझा किए गए सात सेकेंड के वीडियो में एक मृत व्यक्ति को जलाते हुए दिखाया गया है, जबकि बैकग्राउंड में स्थानीय भाषा में बोल रहे लोगों की आवाजें और गोलियों की आवाज सुनी जा सकती है।

शव की हुई पहचान

सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने कहा, हमने घटना की पुष्टि की है और पता चला है कि यह चार मई को हुई थी। शव की पहचान कर ली गई है और उसे अस्पताल में रखवाया गया है। यह मामला दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना से जुड़ा है। सिंह ने बताया कि मृतक कांगपोकपी जिले के एक गांव का निवासी है। हालांकि, उन्होंने घटनास्थल के बारे में कोई डिटेल साझा नहीं की। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने सिफारिश की है कि मामला सीबीआई को सौंप दिया जाए, जो पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा के कई मामलों की जांच कर रही है। केंद्रीय एजेंसी महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना की भी जांच कर रही है। चुराचांदपुर के जनजाति समूह 'इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम' ने सोमवार को इस चौंकाने वाली और बर्बर घटना की निंदा की।

लद्दाख में हिमस्खलन, सैनिक की मौत

एजेंसी । जम्मे

लद्दाख में सोमवार को माउंट कुन के पास सेना की एक टीम हिमस्खलन की चपेट में आ गई। जिससे एक सैनिक की मौत हो गई जबकि तीन अन्य सैनिक लापता बताए जा रहे हैं। मृत सैनिक का शव बरामद कर लिया गया है। वहीं, लापता सैनिकों की तलाश की जा रही है।

सैन्य अधिकारियों यह जानकारी दी है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल (HAWS) और सेना की आर्मी एडवेंचर विंग के लगभग 40 सैन्यकर्मियों की एक टुकड़ी माउंट कुन (लद्दाख) के पास नियमित प्रशिक्षण गतिविधियों में शामिल थी। इस तरह के अभ्यास इस सीजन के दौरान होते रहते हैं, इनका लक्ष्य 'ट्रेन द ट्रेनर' अवधारणा के तहत वारफेयर स्कूल प्रतिभागियों को सही तरीके से पर्वतारोहण प्रशिक्षण प्रदान करना है। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि 8 अक्टूबर को प्रशिक्षण में चढ़ाई के दौरान सैन्य टुकड़ी को बड़ी भारी संख्या में हिमस्खलन का सामना करना पड़ा था।

तलाशी अभियान अभी भी जारी

उन्होंने कहा, हमारे चार सैन्यकर्मी नीचे फंसे हुए थे। तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया। तलाशी अभियान में हिमस्खलन की चपेट में आए एक शख्स का शव बरामद कर लिया गया है। खराब मौसम और भारी बर्फ के ढेर के बावजूद बर्फ के नीचे फंसे अन्य लोगों का पता लगाने और उन्हें निकालने के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है।

न्यायाधीश के ट्रांसफर पर SC ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के अध्यक्ष से एक रिपोर्ट जमा करने को कहा जिसमें न्यायाधीश डी सी चौधरी का तबादला चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय पीठ से कोलकाता करने का आदेश देने की परिस्थितियों का उल्लेख हो। कोर्ट ने कहा कि अगले आदेश तक चौधरी को कोलकाता में क्षेत्रीय पीठ में प्रभार संभालने की जरूरत नहीं है।

कार्यक्रम में शिरकत

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने नई दिल्ली में विश्व पर्यावास दिवस-2023 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की।

चीनी मूल की अमेरिकी ब्लागर का दावा

चीनी एजेंटों ने की थी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या!

एजेंसी । नई दिल्ली/ न्यूयार्क

सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए कनाडा ने भारत को जिम्मेदार बताया था। लेकिन अब चीनी मूल की अमेरिकी ब्लॉगर जेनिफर जेंग ने दावा किया कि निज्जर की हत्या में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का हाथ है। उन्होंने बताया कि चीन भारत और पश्चिम के बीच विवाद पैदा करना चाहता था, ताकि दोनों के बीच दूरी आ जाए।

जेनिफर जेंग चीन में पैदा हुई और अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ती हैं। जेनिफर वर्तमान में अमेरिका में रहती हैं। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में जेंग ने निज्जर की मौत को एक

हत्या करार देते हुए दावा किया कि कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बारे में चौंकाने वाले खुलासे सीसीपी के अंदर से सामने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि निज्जर की हत्या सीसीपी के एजेंटों ने की थी। 18 जून 2023 को खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में हत्या हुई थी। निज्जर की हत्या ब्रिटिश कोलंबिया के एक गुरुद्वारा पार्किंग में हुई थी।

भारत के खिलाफ हुई सीक्रेट मीटिंग

ब्लॉगर ने अपने आरोपों के लिए चीनी लेखक और यूट्यूबर को जिम्मेदार ठहराया, जो उनके मुताबिक अब कनाडा में रहते हैं। उन्होंने दावा किया की चीनी लेखक के कहने पर सीसीपी स्टेट सिक्योरिटी मंत्रालय ने एक उच्च पदस्थ अधिकारी को अमेरिका के सिएटल में भेजा था। सिएटल में एक सीक्रेट मीटिंग हुई थी, जिसका मकसद भारत और पश्चिम के बीच के संबंधों को खराब करना था। उन्होंने दावा किया कि एजेंट्स को हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का काम सौंपा गया था।

हत्या के बाद सबूत मिटाए: जेनिफर

उन्होंने वीडियो में आगे कहा कि एजेंट्स ने प्लान के मुताबिक निज्जर को मार भी डाला। उन्होंने कहा, साइलेंसर लगी बंदूकों से निज्जर को गोली मारी गई। जब हत्या हो गई तो उन्होंने निज्जर के कार में लगे डैश कैम को भी तोड़ दिया, ताकि कोई भी सबूत न रह जाए। एजेंट वहां से भाग निकले। इसके बाद हथियार और अपने कपड़े जला दिए।' उनका यह भी आरोप था कि हत्यारों ने जानबूझ कर भारतीय लहजे वाली अंग्रेजी सीखी, ताकि ऐसा लगे कि मारने वाले भारतीय थे। जेनिफर के आरोपों पर अभी तक चीन का कोई जवाब नहीं आया है।

ट्रूडो ने अब की यूएई से भारत की शिकायत

ओटावा: कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक बार फिर भारत से पंगा ले लिया है। उन्होंने इस बार भारत के करीबी साथी संयुक्त अरब अमीरात से भारत की शिकायत की है। ट्रूडो ने एक्स पर पोस्ट किया कि उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद के साथ भारत में कानून के शासन को बनाए रखने और सम्मान के महत्व पर चर्चा की है। यह उनका उकसावे वाला कदम माना जा रहा है। ट्रूडो इससे पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से भी भारत को लेकर बात कर चुके हैं।

एलोपैथिक दवाओं पर टिप्पणी का मामला

केंद्र, दो राज्यों और IMA को नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु स्वामी रामदेव की याचिका पर सोमवार को केंद्र, बिहार और छत्तीसगढ़ सरकार से जवाब मांगा है। दरअसल, रामदेव ने कोरोना महामारी के दौरान कथित तौर पर एलोपैथिक दवाओं के इस्तेमाल को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद उनके खिलाफ कई जगह प्राथमिकियां दर्ज की गईं थीं। उन्होंने इन प्राथमिकियों में कार्रवाई पर रोक लगाने की याचिका दाखिल की थी। न्यायाधीश ए एस बोपन्ना और न्यायाधीश एम एम सुंदरेश की पीठ ने इंडियन मेडिकल

एसोसिएशन (आईएमए) को भी नोटिस जारी किया और उनसे चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। रामदेव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे पेश हुए। उन्होंने कहा कि रामदेव ने 2021 में बयान दिया था कि वह एलोपैथिक दवाओं में भरोसा नहीं करते हैं, जिस पर कुछ डॉक्टरों ने आपत्ति जताई थी और उनके खिलाफ मामले दर्ज कराए थे।

सच बेधड़क मीडिया ग्रुप के मेंबर्स ने केक काटकर मनाई खुशियां

विनायक शर्मा का बर्थ-डे किया सेलिब्रेट

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुखों ने दी शुभकामनाएं

बेधड़क, जयपुर। तुम जियो हजारों साल और साल के दिन हो 10 हजार...। इन शुभकामनाओं के साथ सच बेधड़क मीडिया ग्रुप के फाउंडर और एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा का जन्मदिन सेलिब्रेट किया गया। इस मौके पर सच बेधड़क मीडिया ग्रुप के चैनल, प्रिंट और डिजिटल टीमें, राजनीतिज्ञ, ब्यूरो क्रेट्स, सोशल वर्कर्स आदि ने शर्मा को बधाई दी। विनायक शर्मा के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित राजनीतिक दलों के प्रमुखों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जलदाय मंत्री डॉ.महेश जोशी परिवार के साथ जश्न में शामिल हुए और अपने चिरपरिचित अंदाज में गाना गाते हुए शुभकामनाएं दी। दूसरी ओर आरएएस पंकज ओझा, फर्स्ट इंडिया के जगदीश चंद्रा, पवन अरोड़ा, आरएएस लोकेश मीणा, अरुण जोशी, गोविंद पारीक, पुनित करनावत, संगीता गर्ग, पंडित राजकुमार शर्मा, कालीचरण सराफ, केसी वर्मा, महेंद्र सोनी, लक्ष्मण गौड़, संजय अग्रवाल, अपूर्वा सिंह, विकास खुराना आदि भी गेस्ट के रूप में उपस्थित थे। शाम को फोर्ट रेस्टोरेंट में बर्थ-डे सेलिब्रेशन हुआ। इसमें प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की।

City इवेंट्स

जीवन रक्षण प्रणाली का दिया प्रशिक्षण

बेधड़क, जयपुर। कानोड़िया पीजी गर्ल्स कॉलेज के आईक्यूएसी द्वारा डब्ल्यूएचओ कॉलोब्रेटिंग सेंटर फॉर इमरजेंसी एंड ट्रॉमा केयर एम्स दिल्ली और राजस्थान परिवहन व सड़क सुरक्षा विभाग संयुक्त प्रयासों से स्टूडेंट्स आगमेनेटेड ट्रेनिंग फॉर यूथ एम्पलीफीकेशन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा, सीपीआर, जीवन रक्षण प्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों में डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा सह निदेशक सीसीईटी साउथ ईस्ट एशिया, रूपा रावत सिंघवी नर्स कंसलटेंट डब्ल्यूएचओ सीसीईटी, नेहा सत्यम डब्ल्यूएचओ सीसीईटी एम्स दिल्ली आदि शामिल थे। प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने कहा कि आम जनता के बीच जीवन रक्षण कौशल और प्रशिक्षण से हम ऐसे समुदाय का निर्माण की प्रक्रिया में तेजी ला सकते हैं। इसमें सुबोध महिला महाविद्यालय, सुबोध कॉलेज, सेंट विलफ्रेड कॉलेज आदि ने हिस्सा लिया।

‘तमाशा गोपीजी का’ किया मंचन

बेधड़क, जयपुर। तमाशा शैली को देखकर नई पीढ़ी रोमांचित हो उठी। कलाकार की बानगी भी ऐसी थी कि हर कोई प्रस्तुति में बंधा रहा। मौका था आमेर में संगीत की उत्कृष्ट कृति भट्ट परिवार का ‘तमाशा गोपीजी का’ के मंचन का। इस दौरान कलाकार ने तमाशा का बहुत सुन्दर प्रदर्शन किया। तमाशा ‘गोपीचन्द भृर्तहरि’का मंचन दिलीप भट्ट तमाशा साधक के निर्देशन में खेला गया। तमाशा पर जयपुर की शान रहे गोपीजी के सुपुत्र दिलीप भट्ट ने तमाशा के इतिहास, संगीत, परम्परा, धरोहर, गुणीजन, बुजुर्गो की सौगात तथा अपने बारे में भट्ट परिवार के बारे में एक डॉक्यूमेंट्री भी बनी है। इसमें इस शैली को विस्तार से समझाया गया है। इसका जिक्र भी आमेर में हुई प्रस्तुति में किया गया। कलाकार ने शैली को बारीकियां से बयां किया।

महिलाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग

बेधड़क, जयपुर। जयपुर में महिला उद्यमियों के कौशल विकास व व्यवसाय वृद्धि के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। झालाना में हुए पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाएं लाभांवित हुईं। एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज, यू एस ऐड व रिलायंस फाउंडेशन के सांझा परियोजना डीजी सशक्त-महिला उद्यमी के तहत शुरू किए गए कार्यक्रम में महिलाओं को व्यवसाय वृद्धि के लिए जानकारियां दी गईं। उनके व्यापर संबंधित समस्याओं को सुना गया व उसका समाधान बताया गया। कार्यक्रम में मिनाक्षी, अनुषा, ऋषभ, रेनू, अर्पित, रीना, हीना, अदिति, सलमा व दीपशिखा मौजूद रहे। व्यापर विकास से सम्बंधित विभिन्न विषयों पर करीब एक हजार से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उमराव मैरिज गार्डन में भजन संध्या का आयोजन

देशनोक के लिए पदयात्रा रवाना

बेधड़क | जयपुर

श्री करणी इंद्र सेवा समिति के तत्वावधान में 37वीं पदयात्रा आज रवाना हुई। श्री करणी माता की आरती के बाद शाही अंदाज में यह पदयात्रा श्री करणी चारण छात्रावास से माता के जयकारों के साथ रवाना हुई। इस दौरान हजारों की तादाद में लोग मौजूद रहे। पदयात्रा समिति के अध्यक्ष अंबादान सिंह कविया ने बताया कि जयपुर से रवानगी के दौरान जगह-जगह पर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद यात्रा खिरनी फाटक स्थित उमराव मैरिज गार्डन पहुंची, जहां भजन संध्या हुई। इसके साथ ही 1100 दीपक से महाआरती का आयोजन हुआ।

जयपुर से आज रवाना होगी श्रीमहावीरजी की पदयात्रा

श्रीमहावीरजी। श्री दिगंबर जैन पदयात्रा संघ जयपुर द्वारा जयपुर से श्रीमहावीरजी की 37वीं पदयात्रा मंगलवार को रवाना होगी। आचार्य सौरभ सागर एवं उपाध्याय उर्जयन्त सागर महाराज ने पदयात्रा की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया है। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि पदयात्रा दोपहर 3.15 बजे आगरा रोड स्थित संघीजी की नसिया खानिया से रवाना होगी। संरक्षक सुभाष चंद जैन ने बताया कि पदयात्रा बुधवार को मोहनपुरा दिगंबर जैन मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद 12 अक्टूबर को दौसा, 13 को सिकंदरा, 14 अक्टूबर को गुढाचंद्र और 15 अक्टूबर को श्री महावीरजी पहुचेंगी। यहां पदयात्री जुलूस के साथ मंदिर पहुंचकर भगवान महावीर के दर्शन लाभ लेंगे। इसके बाद सुबह 11.15 बजे श्रीशांति विधान मंडल पूजा के बाद दोपहर में पदयात्री सम्मान समारोह होगा। शाम को महाआरती तथा भक्ति संध्या के बाद श्रद्धालु बसों से वापस जयपुर के लिए रवाना होंगे।

पदाधिकारियों का सम्मान

बेधड़क. जयपुर। प्रदेश सरकार द्वारा राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, उपाध्यक्ष प्रकाश सिंघवी व सदस्य के रूप में अशोक पाटनी (आर.के. मार्बल्स) सीए मनीष मेहता व दिनेश खोड़निया को मनोनीत किया। राजस्थान जैन सभा द्वारा भट्टारकजी की नसिया में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। मंच संचालन राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद की ओर से करते हुए विभिन्न जैन संस्थाओं द्वारा सम्मानित टीम का अभिनंदन किया गया। मधुबन जैन समाज व भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक प्रमोद जैन भंवर द्वारा सभी का सम्मान किया गया।

युवाओं ने बच्चों को कराया भोजन

बेधड़क. जयपुर। स्वयंसेवी युवाओं के समूह नन्ही खुशियां फाउंडेशन ने प्रताप नगर स्थित मानव सेवा संस्थान परिसर में रह रहे करीब 150 बच्चों को भोजन वितरित किया। साथ ही एसएमएस अस्पताल के बाहर 100 जरूरतमंदों को भोजन कराया। इस मौके पर सूरज, आर्यन, रमेश, पूजा, मोहित, खुशबू, कविता, देवेंद्र, सचिन, मुकेश, कनिका आदि उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल से जरूरतमंदों और जानवरों को भोजन करा रहे हैं। हमारा उद्देश्य समाज के कमजोर तबके को सशक्त बनाकर नई पीढ़ी को शिक्षित व आत्मनिर्भर बनाना है।

इवेंट राजस्थान कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर हुए कार्यक्रम

तनाव से गुजर रहे हैं तो पेरेंट्स और दोस्तों की लें मदद

बेधड़क | जयपुर

सकारात्मक मानसिक हेल्थ बनाए रखने के लिए जीवन में आत्म संयम रखने के साथ अनुशासन को सम्मलित करते हुए सकारात्मक सोच को हमेशा बनाए रखने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। यह विचार राजस्थान कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर हुए प्रोग्राम में विशेषज्ञों ने रखे। सेमिनार हॉल में हुए व्याख्यान में राजस्थान यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रोफेसर अल्पना कटेजा ने चीफ गेस्ट के रूप में शिरकत करते हुए प्रोग्राम की अध्यक्षता की।

मुख्य वक्ता डॉ. तंजुल सक्सेना ने मौजदू टीचर्स, स्टाफ और स्टूडेंट्स को महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

इस दौरान कुलपति का अभिनंदन किया गया। दूसरी ओर मुख्य वक्ता ने रोचक तरीकों से मानसिक स्वास्थ्य पर वक्तव्य दिया और उदाहरण सहित अपनी बात रखी, जो युवाओं को आसानी से समझाई जा सकी। वहीं कुलपति ने कहा कि जीवन को जीने की कला फॉरगेट एंड फॉरगिव का तरीका अपनाए। मेंटल हाईजीन और डिजीटल सोल्यूशन को समझाते हुए उन्होंने युवाओं को मोटिवेट किया।

इस दौरान तनाव, अवसाद, आत्महत्या और मानसिक समस्याओं को बढ़ाते कारणों के साथ विभिन्न आंकड़ें प्रस्तुत किए गए। साथ ही कैंपस में संचालित परामर्श केंद्र की जानकारी भी दी गई। साथ ही युवाओं को तनाव की स्थिति में सबसे पहले पेरेंट्स व दोस्तों को बताने के बारे में कहा। साथ ही सलाह दी कि यदि स्थिति फिर भी सामान्य न लगे तो परामर्शदाता से मिलें।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, मंगलवार, 10 अक्टूबर, 2023

सभी अनुभवों का स्वागत कीजिए, पता नहीं कौन सा अनुभव आपका जीवन बदल दे।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

हमास से 'आखिरी जंग' की तैयारी में इजराइली रक्षा मंत्री ने कहा...

मैंने दिया गाजा पट्टी की पूर्ण घेराबंदी का आदेश

- गाजा पर कब्जे के लिए उतारे एक लाख सैनिक
- दोनों पक्षों के 1,100 से ज्यादा लोगों की जान

एजेंसी | तेल अवीव

इजराइल और हमास की जंग में अब इजराइल गाजा पर अपनी आखिरी जंग की तैयारी में लगा है। इजराइल गाजा पट्टी पर पूरी तरह से घेराबंदी कर रहा है। इस नाकाबंदी में क्षेत्र में खाने का सामान, फ्यूल और एंट्री पर बैन भी शामिल है।

यह फैसला इजराइल और हमास आतंकियों के बीच तीन दिवसीय संघर्ष के बाद लिया गया है। अब तक इस जंग में दोनों पक्षों के 1,100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। सिर्फ इजराइल की ही बात करें तो हमास के हमलों की वजह से उनके 44 सैनिकों सहित 700 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। वहीं गाजा पर पूरी तरह से कब्जे के लिए इजराइल ने 1 लाख सैनिक भी उतार दिए हैं। इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा, 'मैंने गाजा पट्टी पर पूर्ण घेराबंदी का आदेश दिया है। इसमें न बिजली होगी, न भोजन, न ईंधन, सब कुछ बंद है। हम मानव के रूप में जानवरों से लड़ रहे हैं और हम उसी हिसाब से फैसला ले रहे हैं।

यह आखिरी युद्ध होगा, बोले फुक्स

फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास के साथ जारी जंग के बीच इजराइल के कैबिनेट सचिव योसी फुक्स ने कहा है कि इस गाजा युद्ध को आखिरी गाजा युद्ध बनाने की योजना है।

इजराइली एयरफोर्स भी सक्रिय

इजराइली वायु सेना ने ट्वीट करते हुए लिखा, इस समय भी वायुसेना गाजा पट्टी में आतंकी संगठनों के दर्जनों ठिकानों पर हमले जारी रखे हुए हैं। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक इजराइल राज्य के सभी निवासियों के लिए शांति स्थापित नहीं हो जाती। इधर, सीएनएन की सोमवार की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल की सेना ने कहा कि उसने दक्षिण में उन इलाकों पर फिर से नियंत्रण कर लिया है, जहां गाजा से अप्रत्याशित घुसपैठ के बाद हमास के आतंकवादी छिपे हुए थे।

दोनों ओर से बरसाए जा रहे बम

बता दें कि आतंकी संगठन हमास ने इजराइल पर 5000 से ज्यादा रॉकेट दागे थे। इन हमलों में इजराइल में 700 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, इजराइल पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध का ऐलान कर दिया है। इसके बाद से इजराइल भी गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर बम बरसा रहा है। इसमें हमास के 800 से ज्यादा ठिकाने तबाह हो चुके हैं वहीं, 400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हमास द्वारा किए गए इस आतंकवादी हमले के सामने इजराइल के लिए अतिरिक्त समर्थन का ऐलान कर दिया है।

सबसे बड़े हिंदू मंदिर में हुई विशेष प्रार्थना

खुला 183 एकड़ में फैला US का अक्षरधाम मंदिर

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिकी शहर रॉबिंसविले में रविवार को स्वामीनारायण मंदिर का उद्घाटन किया गया। यह मंदिर सोमवार से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। भारत से सात समंदर पार हिंदू मंदिर का निर्माण और उद्घाटन श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का केंद्र बना हुआ था।

न्यू जर्सी में बनकर तैयार हुए इस मंदिर के उद्घाटन के बाद आठ सितंबर को (अमेरिकी समयानुसार) विशेष प्रार्थना का आयोजन किया गया। छुट्टी होने के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु न्यू जर्सी के रॉबिंसविले में बने बीएपीएस स्वामीनारायण अक्षरधाम में प्रार्थना में शामिल होने पहुंचे। मंदिर के बारे में आई रिपोर्ट्स के अनुसार, इसका निर्माण 183 एकड़ में कराया गया है।

विदेश राज्यमंत्री ने बताया गर्व का क्षण

इससे पहले केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने अक्षरधाम के भव्य उद्घाटन के लिए शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- एक्स पर एक बधाई संदेश में उन्होंने लिखा, "रॉबिन्सविले, न्यू जर्सी में अक्षरधाम के भव्य उद्घाटन पर बधाई! यह क्षण भारत के लिए बहुत गर्व का है।" उन्होंने इस मंदिर को सामूहिक समर्पण और एकता का प्रतीक करार दिया। विदेश राज्यमंत्री ने बताया कि अक्षरधाम का निर्माण पूज्य गुरु महंत स्वामी महाराज और गुरु प्रमुख स्वामी महाराज के दूरदर्शी मार्गदर्शन का प्रमाण है।

सबसे बड़े हिंदू मंदिर का उद्घाटन होने के बाद वैदिक रीति से पूजा अनुष्ठान हुआ। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि ये भारत के बाहर अब तक का सबसे भव्य अक्षरधाम मंदिर हो सकता है।

वैश्विक मंच पर मिली पहचान

सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डीएल मुरुगन ने स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर के उद्घाटन पर कहा कि ये वैश्विक मंच पर भारतीय उत्कृष्टता का एक और उदाहरण है। इस परियोजना की सफलता के लिए 12 वर्षों के अथक समर्पण की जरूरत थी। इस मंदिर प्रबंधन और श्रद्धालुओं का मानना है कि 183 एकड़ में फैला विशाल मंदिर सोमवार से जनता के लिए खुला। अक्षरधाम परिसर में पत्थर का महामंदिर, शिल्प कौशल और भक्ति का चमत्कार है। जो आध्यात्मिक महत्व के साथ जटिल कलात्मकता का मिश्रण है।

FIA द्वारा दायर आरोप पत्र में इमरान खान दोषी करार

17 अक्टूबर को कोर्ट देगा अपना फैसला

एजेंसी | इस्लामाबाद

सिफर मामले में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को दोषी ठहराया गया है। सोमवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि मामले पर 17 अक्टूबर को फैसला आएगा।

सुनवाई के दौरान इमरान खान और उनके सह आरोपी पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी के वकीलों को आरोप पत्र की प्रतियां भी सौंपी गई हैं। सुनवाई की अध्यक्षता विशेष अदालत के न्यायाधीश अब्दुल हसनात जुल्करनैन ने की। पीटीआई प्रमुख के वकीलों ने जेल वैन में इमरान खान से मुलाकात की।

रावलपिंडी की अदियाला जेल में सुनवाई के दौरान अभियोजक जुल्फिकार अब्बास नकवी, इमरान खान के वकील सलमान सफदर और उनकी पार्टी के नेता कुरैशी की बेटी और बेटा भी उपस्थित थे। वहीं, अभियोजक नकवी ने सूचित किया कि अदालत को सभी आवश्यक प्रतियां उपलब्ध करा दी गई हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अदालत ने सभी सरकारी गवाहों को आरोप पत्र के साथ 17 अक्तूबर को तलब करने का निर्देश जारी किया। एफआईए द्वारा एक विशेष अदालत में दायर आरोप पत्र में इमरान खान के प्रमुख सहयोगी कुरैशी पर पूर्व प्रधानमंत्री को सुविधा प्रदान करने का भी आरोप लगाया गया।

जंग का असर: गिरा स्टॉक मार्केट

नई दिल्ली। इजराइल और हमास के बीच के युद्ध ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है और स्टॉक मार्केट को भी तगड़ा झटका दिया है। फाइनेंशियल सर्विसेज मुहैया कराने वाली नोमुरा के एनालिस्ट्स चेतन सेठ और अंकित यादव का मानना है कि घरेलू स्टॉक मार्केट के लिए मिडिल ईस्ट में गहराता जियोपॉलिटिकल संकट सबसे बड़ी चिंता है।

सिडनी: इजराइल के समर्थन में सजा ओपेरा हाउस... विरोध भी

एजेंसी | सिडनी

आतंकी संगठन हमास के हमलों के बाद इजराइल के समर्थन में यहां ओपेरा हाउस को नीले और सफेद रंग से रोशन किया गया। इसके विरोध में सैकड़ों फिलिस्तीन समर्थकों ने सिडनी में मार्च किया। इन मृतकों में वे 260 लोग भी शामिल हैं जो एक संगीत समारोह में शामिल थे। इनमें से करीब 130 लोगों को बंधक बना लिया गया था।

हमास के रॉकेट हमलों के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी में एक बैराज पर हमला कर अपनी जवाबी कार्रवाई शुरू की, जिसमें 80 से अधिक बच्चों सहित 436 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। इस्राइल ने गाजा में घनी आबादी वाले इलाकों की बिजली भी काट दी, जिससे हेल्थ वर्कर्स के लिए गाजा में घायल लोगों का इलाज करना मुश्किल हो गया है। सोमवार शाम करीब छह बजे सैकड़ों लोग ओपेरा हाउस की ओर बढ़ने से पहले सिडनी टाउन हॉल के बाहर इकट्ठा हुए।

हमास के हथियारों की ताकत

इजराइली कवच 'Iron Dome' ध्वस्त

एजेंसी | तेहरान

इजराइल का सबसे ताकतवर एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम, ऐसी तकनीक है, जो हवा में आते दुश्मन के रॉकेट्स और मिसाइल को आसमान में ही उड़ा देता है, लेकिन जब हमास ने 20 मिनट में 5 हजार रॉकेट दागे, तो यह सिस्टम पूरी तरह उन्हें रोक नहीं पाया। कुछ रॉकेट्स ने इजराइल में गिरकर सैकड़ों जानें ले ली। आयरन डोम में जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलें होती हैं।

जैसे ही दुश्मन की मिसाइल, रॉकेट्स, ड्रोन दिखता है, ये तुरंत फायर हो जाता है। इसकी रेंज 70 किमी है। इसके बावजूद हमास के रॉकेट्स और आत्मघाती ड्रोन्स ने इजराइल में तबाही मचाई।

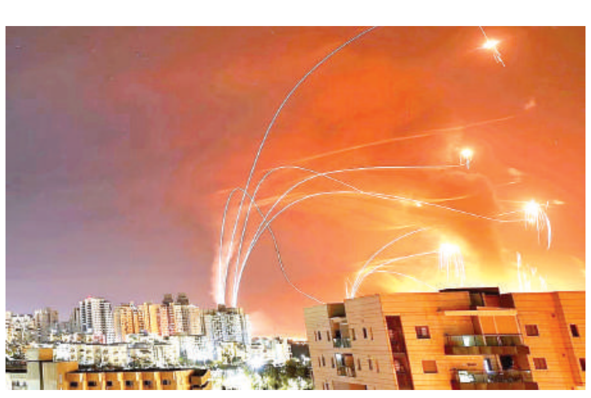

जीपीएस गाइडेड ड्रोन्स व मिसाइल

इजराइल को हराने के लिए हमास अब लगातार अपने हथियार बना रहा है। उसके पास जीपीएस गाइडेड ड्रोन्स और मिसाइलें हैं। वह रिसर्च में पैसा लगा रहा है। रोबोटिक गाड़ियां बना रहा है। साइबर युद्ध करता है। मानवरहित पनडुब्बियां बना रहा है। समुद्र में तटों के किनारे हमास की नौसेना ने सुरंगें बना रखी हैं, जिनका इस्तेमाल छिपने और हथियारों को अंदर लाने और बाहर ले जाने के लिए होता है।

इन रॉकेट्स से पूरे इजराइल को खतरा

हमास के पास जिस तरह के रॉकेट्स हैं, उनसे पूरे इजराइल को खतरा है। जैसे- आर-160 रॉकेट्स की रेंज 160 किमी है। ये पूरे देश में कहीं भी हमला कर सकते हैं। एम-75 जैसे 75 किमी रेंज वाले रॉकेट्स भी हमास के पास हैं, जो 60 किलो हथियार ले जा सकते हैं। 45 किलो हथियार ले जाने वाले 48 किमी की रेंज वाले ग्रैड रॉकेट्स भी हैं। सबसे कम दूरी के लिए यानी 17.7 किमी के लिए कास्सम रॉकेट्स हैं। ये अपने साथ 9 किलो हथियार ले जा सकते हैं।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: पंकज सोनी*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl